संस्थापक : स्व. श्री वीर विक्रम आदित्य

हिन्द जनपथ

स्थापना वर्ष : 2002

पंचकूला
मंगलवार
13 जनवरी, 2026
वर्ष:24 अंक: 201
कुल पृष्ठ:08
मूल्य : 1 रुपया

खबरें छापते हैं छुपाते नहीं | दैनिक प्रभात संस्करण हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड एवं उत्तर प्रदेश से एक साथ प्रकाशित। | www.hindjanpath.com

अच्छे कंटेंट के लिए सही माध्यम का चयन आवश्यक: अनिल कुमार

पेज-8

मोटी-मोटी बातें

कबड्डी प्रमोटर हत्या मामला: पश्चिम बंगाल से दो शूटर्स समेत तीन मुलजिम गिरफ्तार

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंजाब, महाराष्ट्र, कर्नाटक, पश्चिम बंगाल और सिक्किम में खुफिया जानकारी आधारित कार्रवाई के कारण, पंजाब पुलिस की एंटी-गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) की टीम ने पश्चिम बंगाल के हावड़ा से कबड्डी प्रमोटर कंवर दिग्विजय सिंह उर्फ राणा बलाचौरिया की हत्या में शामिल दो शूटर्स और उनके साथी को गिरफ्तार किया है। यह जानकारी आज यहां निदेशक महानिरीक्षक पुलिस (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव ने दी।

गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान करण पाठक उर्फ करण डिफॉल्टर निवासी अमृतसर; तरनदीप सिंह निवासी बरहेवाल, लुधियाना और आकाशदीप निवासी ऊपल, तरन तारन के रूप में हुई है। मुलजिमों को सिक्किम पुलिस, मुंबई पुलिस, पश्चिम बंगाल एसटीएफ, केंद्रीय एजेंसियों और स्थानीय हावड़ा पुलिस की सहायता से गिरफ्तार किया गया है।

- **सिक्किम पुलिस, मुंबई पुलिस, पश्चिम बंगाल एसटीएफ, केंद्रीय एजेंसियां और स्थानीय हावड़ा पुलिस की सहायता से दोषियों को किया गिरफ्तार**

प्राप्त जानकारी के अनुसार 15 दिसंबर, 2025 को सोहाना, एसएएस नगर में एक कबड्डी टूर्नामेंट के दौरान हमलावरों ने राणा बलाचौरिया को गोली मारकर हत्या कर दी थी। इस मामले में अब तक कुल पांच मुलजिम गिरफ्तार किए जा चुके हैं। बाकी दो मुलजिमों की पहचान ऐशदीप सिंह और दविंदर के रूप में हुई है।

डीजीपी गौरव यादव ने कहा कि करण पाठक और तरनदीप सिंह शूटर्स हैं जबकि आकाशदीप विदेशी हैंडलर अमर खाबे राजपूता का निकट संबंधी है और उसे शूटर्स को पनाह तथा लॉजिस्टिक सहायता प्रदान करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने आगे कहा कि सभी गिरफ्तार व्यक्तियों को आगे की जांच के लिए पंजाब लाया जा रहा है।

डीजीपी ने कहा कि मामले की गुत्थी सुलझाने के लिए उसके बाकी साथियों की पहचान करने और उन्हें पकड़ने के प्रयास जारी हैं।

इस ऑपरेशन के विवरण साझा करते हुए डिप्टी इंस्पेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (डीआईजी) एजीटीएफ गुरमीत सिंह चौहान ने कहा कि संगठित, गैंगस्टरों की आपसी दुश्मनी और विदेश-आधारित हैंडलर्स के शामिल होने के स्पष्ट संकेत मिलने के तुरंत बाद एजीटीएफ ने अपनी जांच शुरू कर दी। उन्होंने कहा कि सीसीटीवी फुटेज की जांच के माध्यम से एजीटीएफ और एसएएस नगर पुलिस ने मुलजिमों की अपराध से पहले और बाद की गतिविधियों को जोड़ते हुए अपराध में इस्तेमाल वाहनों की पहचान की और पानीपत टोल प्लाजा तक उनके भागने के रास्ते का पता लगाया।

ISRO का पहला 2026 मिशन: PSLV-C62 उड़ान पथ से भटका, तीसरे चरण में आई अड़चन

श्रीहरिकोटा: भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) के भरोसेमंद प्रक्षेपण यान PSLV-C62 को लेकर अहम जानकारी सामने आई है। ISRO प्रमुख वी. नारायणन ने बताया कि प्रक्षेपण के दौरान PSLV-C62 रॉकेट अपने निर्धारित उड़ान पथ से भटक गया, जबकि इसके तीसरे चरण में तकनीकी अड़चन देखी गई। इसरो ने गड़बड़ी का विश्लेषण शुरू कर दिया है।

इससे पहले सोमवार को ISRO ने अपने इस साल के पहले मिशन के तहत PSLV-C62 रॉकेट को सफलतापूर्वक लॉन्च किया था। यह रॉकेट एक पृथ्वी अवलोकन उपग्रह और घरेलू व विदेशी ग्राहकों के लिए 14 वाणिज्यिक उपग्रहों को लेकर श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र के पहले लॉन्च पैड से रवाना हुआ। यह मिशन ISRO की वाणिज्यिक इकाई न्यूस्पेस इंडिया लिमिटेड (NSIL) को मिले अनुबंध का हिस्सा है।

44.4 मीटर लंबे, चार चरणों वाले PSLV-C62 रॉकेट ने सुबह 10:18 बजे अपने पूर्व निर्धारित समय पर उड़ान भरी। योजना के अनुसार, लगभग 17 मिनट की उड़ान के बाद सभी उपग्रहों को करीब 511 किलोमीटर की ऊंचाई पर सूर्य की तुल्यकालिक कक्षा (सन-सिंक्रोनस ऑर्बिट) में स्थापित किया जाना था।

ISRO के अनुसार, सभी उपग्रहों के पृथक्करण के बाद वैज्ञानिकों की योजना रॉकेट के चौथे चरण (पीएस4) को दोबारा चालू कर अंतिम उपग्रह 'केस्ट्रेल इनिशियल टेक्नोलॉजी डिमॉन्स्ट्रेटर' (KID) कैप्सूल को अलग करने की थी। यह पूरी प्रक्रिया प्रक्षेपण के बाद दो घंटे से अधिक समय तक चलने की संभावना जताई गई थी।

पंजाब के डीजीपी ने किए कई अहम खुलासे, विदेश में रची गई थी हत्या की साजिश

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंजाब पुलिस के महानिदेशक (DGP) गौरव यादव ने सोमवार को तरनतारन के वल्टोहा गांव के सरपंच जरमल सिंह हत्याकांड में कई अहम खुलासे किए। उन्होंने कहा कि मामले में अब तक सात आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है।

हत्या मामले की जानकारी साझा करते हुए डीजीपी ने बताया कि दो शूटरों को छत्तीसगढ़ के रायपुर से स्थानीय पुलिस की मदद से गिरफ्तार किया गया, जबकि पांच अन्य आरोपियों को पंजाब के मोहाली और तरनतारन से पकड़ा गया। उन्होंने कहा कि इस पूरे ऑपरेशन में केंद्रीय एजेंसियों और अन्य राज्यों की पुलिस के साथ समन्वय किया गया।

आम आदमी पार्टी से जुड़े सरपंच जरमल सिंह की 4 जनवरी को अमृतसर के मैरी गोल्ड रिज़ॉर्ट में एक शादी समारोह के दौरान गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। सीसीटीवी फुटेज में दो हमलावर शांतिपूर्वक जरमल सिंह के पास आते, छिपे हुए पिस्तौल निकालते और पीछे से सिर में गोली मारकर फरार होते दिखाई दिए। घायल अवस्था में उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां बाद में उनकी मौत हो गई।

पुलिस जांच में सामने आया है कि इस हत्या की साजिश विदेश में बैठे अपराधियों ने रची थी। फंडिंग, हथियार और लॉजिस्टिक सपोर्ट भारत से बाहर से मुहैया कराया गया था। विदेशी गैंगस्टरों, जिनमें प्रभ दासूवाल भी शामिल है, ने सोशल मीडिया पर हत्या की जिम्मेदारी लेते हुए दावा किया कि जरमल सिंह पर इससे पहले तीन बार जानलेवा हमले हो चुके थे।

इस हत्याकांड के प्रमुख साजिशकर्ताओं में शामिल हरनूर सिंह उर्फ नूर को वारदात के कुछ ही समय बाद तरनतारन में पुलिस मुठभेड़ में मार गिराया गया था।

नैतिकता, पारदर्शिता और जनकल्याण को सर्वोपरि रखते हुए स्वास्थ्य लक्ष्यों में सहभागी संस्थाओं का हरियाणा में स्वागत - मुख्यमंत्री

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि नैतिकता, पारदर्शिता और जनकल्याण को सर्वोपरि रखते हुए राज्य के स्वास्थ्य लक्ष्यों में सहभागी बनने वाली सभी जिम्मेदार संस्थाओं का हरियाणा में स्वागत है। सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं के मजबूत ढांचे के साथ-साथ निजी क्षेत्र की जांच एवं चिकित्सा सेवाओं की भूमिका भी नागरिकों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

मुख्यमंत्री सोमवार को गुरुग्राम में स्वामी विवेकानंद जी की जयंती पर सेक्टर 12ए स्थित भारत विकास परिषद महाराणा प्रताप न्यास गुरुग्राम द्वारा संचालित 'विवेकानंद आरोग्य केंद्र' में प्रेम सागर हृदय रोग चिकित्सालय के लोकार्पण समारोह को बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में स्वामी विवेकानन्द जी की 163वीं जयंती पर उन्हें नमन करते हुए प्रदेशवासियों को लोहड़ी, मकर संक्रांति तथा पोंगल पर्व की शुभकामनाएं भी दी।

हरियाणा सरकार का निरंतर प्रयास

है कि स्वास्थ्य सेवाएँ सस्ती, सुलभ और प्रभावी हों

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा सरकार का निरंतर प्रयास रहा है कि प्रदेश के प्रत्येक नागरिक को सस्ती, सुलभ और प्रभावी स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध हों। विवेकानंद आरोग्य केंद्र जैसे संस्थान इन प्रयासों को जमीनी स्तर पर मजबूती प्रदान कर रहे हैं। प्रधानमंत्री के फिट इंडिया के संदेश से प्रेरित होकर राज्य सरकार ने हरियाणा में आधुनिक जांच एवं उपचार सुविधाओं को आमजन तक पहुँचाया है। सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि धन के अभाव में कोई भी गरीब नागरिक इलाज से वंचित न रहे। प्रदेश में आयुष्मान भारत–चिरायु योजना के अंतर्गत अब तक 1 करोड़ 34 लाख कार्ड बनाए जा चुके हैं, जिनके माध्यम से लगभग 25 लाख मरीजों के इलाज पर 4,500 करोड़ रुपये के क्लेम दिए गए हैं। इसके अतिरिक्त, 70 वर्ष से अधिक आयु के सभी बुजुर्गों को आयुष्मान भारत योजना के तहत 5 लाख रुपये वार्षिक तक निःशुल्क उपचार की सुविधा दी जा रही है, जिसके अंतर्गत अब तक 26,513 बुजुर्गों के इलाज पर 53 करोड़ 57 लाख रुपये के क्लेम प्रदान किए गए हैं।

सरकारी अस्पतालों को आधुनिक सुविधाओं से किया जा रहा सुसज्जित

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार सुनिश्चित कर रही है कि प्रत्येक जिले के सरकारी अस्पतालों में निजी अस्पतालों की तरह आधुनिक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध हों। इसी दिशा में पहले चरण में 10 जिला अस्पतालों में ऐसी सुविधाएं शुरू की जा चुकी हैं, जबकि 12 अन्य जिला अस्पतालों में इन सुविधाओं को विकसित करने का कार्य प्रगति पर है। सरकार का उद्देश्य है कि आम नागरिक को गुणवत्तापूर्ण और सुलभ उपचार अपने जिले में ही उपलब्ध हो सके। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर संस्था को सहयोग करने वाले गणमान्य को सम्मानित करने के साथ- साथ संस्था को 31 लाख रुपये की सहयोग राशि देने को घोषणा भी की।

डॉ. शांडिल ने अर्की में हुए अग्निकांड में बालक की दु :खद मृत्यु पर जताया शोक

सोलन । स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता तथा सैनिक कल्याण मंत्री कर्नल डॉ. धनीराम शांडिल ने आज प्रातः अर्की बाज़ार में आग लगने से एक बालक की दु:खद मृत्यु पर गहरा शोक प्रकट किया है। उन्होंने अग्निकांड की जानकारी मिलते ही ज़िला प्रशासन को राहत एवं बचाव कार्य सुनिश्चित बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग को निर्देश दिए कि नागरिक अस्पताल अर्की में घायलों का उपचार सुनिश्चित बनाया जाए। डॉ. शांडिल ने परमपिता परमात्मा से दिवगंत आत्मा की शांति तथा शोक संतप्त परिजनों को इस असहनीय दु:ख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की है।

मुख्यमंत्री ने अर्की बाजार में आग लगने की घटना पर गहरा शोक व्यक्त किया

शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने रविवार देर रात घटित सोलन जिले के अर्की बाजार में भीषण अग्निकांड पर गहरा दुःख व्यक्त किया है, जिसमें आठ वर्षीय बच्चे की मृत्यु का समाचार प्राप्त हुआ है। मुख्यमंत्री ने सूचना मिलते ही जिला प्रशासन को युद्ध स्तर पर राहत एवं बचाव कार्य चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आग को बुझाने के लिए अर्की अग्निशमन विभाग के साथ-साथ जिला शिमला के बालूगंज, जिला सोलन के बनलगी और अम्बुजा सीमेंट कम्पनी के अग्निशमन वाहनों को तुरंत घटना स्थल की ओर रवाना किया गया। उन्होंने कहा कि अग्निशमन विभाग द्वारा अग्नि पर काबू पा लिया गया है। उन्होंने कहा कि स्थानीय विधायक संजय अवस्थी मौके पर जाकर राहत एवं बचाव कार्यों की निगरानी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस घटना में घायल दो लोगों का उपचार नागरिक अस्पताल अर्की में किया जा रहा है। स्थानीय प्रशासन को इन्हें हर संभव सहायता उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए गए हैं। मुख्यमंत्री ने मृतक के परिजनों को तुरन्त सहायता उपलब्ध करने के निर्देश दिए है तथा जिला प्रशासन को इस घटना की गहन जांच करने के आदेश दिए। ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य सरकार इस कठिन समय में प्रभावित परिवारों के साथ खड़ी है। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत की आत्मा की शांति तथा शोक संतप्त परिवार को इस असहनीय दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।

विधायक प्राथमिकता बैठक 4 और 5 फरवरी को की जाएगी आयोजित

शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू की अध्यक्षता में वार्षिक बजट 2026-27 के लिए विधायकों की प्राथमिकताओं के निर्धारण के लिए प्रस्तावित दो दिवसीय बैठक का आयोजन 4 और 5 फरवरी, 2026 को हिमाचल प्रदेश सचिवालय में किया जाएगा। 4 फरवरी, 2026 को पूर्वाह्न 10.30 बजे से 1.30 बजे तक कांगड़ा और कुल्लू तथा अपराह्न 2 बजे से 5 बजे तक सोलन, चम्बा, बिलासपुर, लाहौल-स्पीति और किन्नौर जिला के विधायकों के साथ बैठक आयोजित की जाएगी। 5 फरवरी, 2026 को पूर्वाह्न 10.30 बजे से 1.30 बजे तक शिमला और मंडी जिला तथा अपराह्न 2 से 5 बजे तक ऊना, हमीरपुर और सिरमौर के विधायकों के साथ बैठक आयोजित की जाएगी। इन बैठकों में वार्षिक बजट 2026-27 की विधायक प्राथमिकताओं के निर्धारण के लिए विचार-विमर्श किया जाएगा। बैठकों में विधायकों से वर्ष 2026-27 के लिए मितव्ययिता उपायों, वित्तीय संसाधन जुटाने एवं बेहतर प्रशासन के संदर्भ में प्राप्त सुझावों पर भी चर्चा होगी।

टेरियर सिक्योरिटी सर्विसेज में भरे जायेंगे सिक्यूरिटी गार्ड के 200 पद

धर्मशाला । क्षेत्रीय रोजगार अधिकारी अक्षय कुमार ने आज यहां जानकारी सूचित किया है कि टेरियर सिक्योरिटी सर्विसेज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड में पुरुष उम्मीदवारों के सिक्यूरिटी गार्ड के 200 पद भरे जाने प्रस्तावित हैं। इन पदों के लिए शैक्षणिक योग्यता दसवीं तथा आयु 18 से 45 वर्ष तक रखी गई है। आवेदक को कम्पनी द्वारा रूपए 14 हजार 300 से 18 हजार 236 प्रति माह वेतन दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि अभ्यार्थी साक्षात्कार के लिए अपने साथ दो पासपोर्ट साइज़ फोटो, रिहायशी प्रमाण पत्र, मूल प्रमाण पत्र एवं अपने बायोडाटा की कॉपी व अनुभव प्रमाणपत्र यदि हो तो साथ लेकर 15 जनवरी को उप रोज़गार कार्यालय, क़स्बा कोटला में, 16 जनवरी उप रोज़गार कार्यालय बडोह में, 17 जनवरी को क्षेत्रीय रोज़गार कार्यालय नूरपुर में तथा 19 जनवरी 2026 को उप रोज़गार कार्यालय काँगड़ा में सुबह 11 बजे पहुंचकर उक्त कम्पनी के समक्ष साक्षात्कार के लिए उपस्थित हो सकते हैं। उन्होंने बताया कि विभागीय साईट पर साक्षात्कार का ब्योरा अपलोड कर दिया गया है। सभी इच्छुक आवेदक साक्षात्कार में भाग लेने से पहले https\Ñ//eemis.hp.nic.in पर अपनी ई-मेल आईडी या मोबाइल नम्बर से लॉगिन कर टेरियर सिक्योरिटी सर्विसेज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड की रिक्तियों के लिए आवेदन कर सकते है। विभागीय साइट पर ऑनलाइन आवेदन के बाद ही साक्षात्कार में भाग लिया जा सकता है। अधिक जानकारी के लिए मोबाईल नं 72075-00008 पर संपर्क किया जा सकता है।

मुख्यमंत्री ने अग्निकांड की घटना पर दुख व्यक्त किया

शिमला । मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुखु ने सोलन जिले के अर्की बाजार में रविवार रात को हुई आग की घटना पर दुख व्यक्त किया है, जिसमें एक आठ वर्षीय बच्चे की मौत हो गई। सूचना मिलते ही मुख्यमंत्री ने सोलन के उपायुक्त को तत्काल राहत एवं बचाव अभियान चलाने का निर्देश दिया। उन्होंने बताया कि दमकल गाड़ियां, अर्की फायर सर्विस की गाड़ियां, शिमला जिले के बोइलेउगंज, सोलन जिले के बनलगी और अंबुजा सीमेंट कंपनी की गाड़ियां तुरंत मौके पर भेजी गईं। आग पर अब काबू पा लिया गया है और राहत एवं बचाव कार्य युद्धस्तर पर जारी है। उन्होंने बताया कि स्थानीय विधायक संजय अवस्थी मौके पर मौजूद हैं और बचाव अभियान की निगरानी कर रहे हैं। इस घटना में दो लोग घायल हो गए और उनका इलाज अर्की स्थित सिविल अस्पताल में चल रहा है। स्थानीय प्रशासन को उन्हें हर संभव सहायता प्रदान करने का निर्देश दिया गया है। मुख्यमंत्री ने मृतक के परिवार को तत्काल सहायता पहुंचाने के निर्देश दिए हैं और जिला प्रशासन को घटना की जांच करने का आदेश दिया है। श्री सुखु ने दिवंगत आत्मा की शांति और शोक संतप्त परिवार को इस भारी क्षति को सहन करने की शक्ति प्रदान करने के लिए प्रार्थना की। उन्होंने इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना में घायल हुए सभी लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की भी प्रार्थना की।

संजय अवस्थी ने अर्की में हुए अग्निकांड में एक बालक की दु:खद मृत्यु पर जताया शोक

राहत एवं बचाव कार्य का लिया जायज़ा, स्थानीय प्रशासन को दिए आवश्यक निर्देश

सोलन। अर्की के विधायक संजय अवस्थी ने आज प्रातः अर्की बाज़ार में आग लगने से एक बच्चे की मृत्यु पर गहरा शोक प्रकट किया है। संजय अवस्थी घटना की जानकारी मिलते ही घटना स्थल पर पहुंचें और राहत एवं बचाव कार्यों का जायज़ा लिया। उन्होंने स्थानीय प्रशासन को मृतक के परिवार को समुचित सहायता उपलब्ध करवाने तथा घायलों के उचित उपचार के निर्देश जारी किए। विधायक ने नागरिक अस्पताल अर्की में घायल का कुशलक्षेम जाना और अस्पताल प्रशासन को आवश्यक निर्देश जारी किए। संजय अवस्थी ने परमपिता परमात्मा से दिवंगत आत्मा की शांति तथा शोक संतप्त परिजनों को इस असहनीय दु:ख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की है।

हिमाचल प्रदेश ने भूटान को भेंट किए चिलगोजा के पौधे

मुख्यमंत्री ने वाहन को हरी झंडी दिखा किया रवाना

शिमला । मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने आज प्रदेश सचिवालय शिमला से भारत और भूटान के बीच लंबे समय से चले आ रहे मित्रतापूर्ण एवं सहयोगात्मक संबंधों को और सुदृढ़ करते हुए भूटान को चिलगोजा के पौधों का उपहार प्रेषित किया। वाहन को हरी झंडी दिखाने के उपरांत मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पहल भारत और भूटान के मैत्रिपूर्ण, सौहार्द व भाईचारे का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि भविष्य में हिमाचल प्रदेश वन विभाग द्वारा भूटान को पांच लाख रूपये मूल्य के चिलगोजा के और बीज भी प्रदान किये जाएंगे। प्रदेश सरकार द्वारा भूटान के वन विभाग के अधिकारियों को चिलगोजा के पौधे उगाने का प्रशिक्षण भी प्रदान किया जाएगा। इसके लिए उनके वन विभाग की टीम शीघ्र ही हिमाचल आएगी। प्रदेश सरकार चिलगोजा गतिविधियों में स्थानीय महिला मंडलों को भी शामिल करेगी और इसके लिए उन्हें आर्थिक सहयोग भी प्रदान किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि इससे पूर्व भी भूटान को चिलगोजा के 50 किलोग्राम बीज प्रदान किए जा चुके हैं। चिलगोजा पश्चिमी हिमालय की बहुमूल्य प्रजाति है, जो पर्यावरण संरक्षण, जैव-विविधता और स्थानीय आजीविका से गहराई से जुड़ी हुई है। ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने कहा कि वर्तमान प्रदेश सरकार वन संवर्धन के लिए अनेक पहल कर रही है और राज्य में वन आवरण के विस्तार को लेकर अनेक योजनाएं चला रही है। सरकार के प्रयासों से वन क्षेत्र लगभग 55 वर्ग किलोमीटर बढ़ा है। इस वर्ष लगभग 9,000 हेक्टेयर वन भूमि पर विभिन्न योजनाओं और परियोजनाओं के अंतर्गत पौधरोपण किया जा रहा है, इसमें 60 प्रतिशत फलदार पौधे शामिल हैं।

मुख्यमंत्री वन विस्तार योजना बंजर पहाड़ियों को हरा भरा करने के उद्देश्य से चलाई जा रही है। इस योजना के तहत अब तक 600 हेक्टेयर बंजर पहाड़ियों पर पौधरोपण किया गया है। वनों की रक्षा एवं प्रबन्धन के लिए 2019 वन मित्र की नियुक्ति की गई है, जिन्हें वृक्षारोपण, अग्नि सुरक्षा, राल दोहन सहित विभिन्न वानिकी कार्यों में प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रदेश सरकार जन सहयोग से हरित आवरण में बढ़ोतरी के लिए निरंतर प्रयासरत है। इसके दृष्टिगत राजीव गांधी वन संवर्धन योजना, ग्रीन एडॉप्शन योजना सहित अनेक योजनाएं कार्यान्वित की जा रही हैं। इस अवसर पर राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी, उप-मुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया, उपाध्यक्ष हिमाचल प्रदेश राज्य वन निगम केहर सिंह खाची, विधायक कैप्टन रणजीत सिंह राणा एवं मलेन्द्र राजन, प्रदेश हज कमेटी के अध्यक्ष दिलदार अली भट्ट, महाधिवक्ता अनूप रतन, अतिरिक्त मुख्य सचिव के.के. पंत, प्रधान मुख्य अरण्यपाल संजय सूद तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

रैत में 200 आपदा प्रभावित परिवारों को मिली राहत सामग्री, केवल सिंह पठानिया ने बांटी किटें

बोले ..... प्रदेश सरकार आपदा प्रभावित परिवारों के प्रति संवेदनशील

शाहपुर । शाहपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक एवं उपमुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया ने शनिवार को रैत में लगभग 200 आपदा प्रभावित परिवारों को एमरीकेयर संस्था के सौजन्य से घरेलू उपयोग की किटें वितरित कीं।

इस अवसर पर प्रभावित परिवारों से संवाद करते हुए केवल सिंह पठानिया ने कहा कि प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने बरसात के दौरान आई आपदा के समय हर प्रभावित परिवार को यथासंभव सहायता उपलब्ध करवाई है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री द्वारा राहत मैनुअल में संशोधन कर इसे और अधिक जनहितैषी बनाया गया है, ताकि किसी भी आपदा की स्थिति में प्रभावित परिवारों को समयबद्ध एवं प्रभावी सहायता मिल सके। उन्होंने एमरीकेयर संस्था का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संस्था ने सेवा भावना के साथ आगे आकर यह मानवीय कार्य किया है, जो अत्यंत सराहनीय है। इस अवसर पर अतिरिक्त उपायुक्त कांगड़ा विनय कुमार, वैज्ञानिक अधिकारी एवं एटीसी प्रभारी सुनंदा पठानिया, जिला परिषद सदस्य नीना ठाकुर, रीना पठानिया, उपमुख्य सचेतक के सलाहकार विनय, सरिता सैनी,एमरीकेयर संस्था के संजय परमार तथा पंकज पंडित तथा शाहपुर विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न क्षेत्रों से आए लोग उपस्थित रहे।

'अपना विद्यालय' कार्यक्रम के तहत उपायुक्त कांगड़ा ने राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बगली का किया निरीक्षण

धर्मशाला । हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे 'अपना विद्यालय' कार्यक्रम के अंतर्गत उपायुक्त कांगड़ा हेमराज बैरवा ने आज राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बगली का निरीक्षण किया। यह भ्रमण माननीय मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू के निर्देशों के अनुरूप किया गया, जिसके तहत प्रत्येक वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी को किसी न किसी सरकारी विद्यालय से जोड़ा गया है ताकि वे उसके शैक्षणिक, भौतिक एवं मानव संसाधन विकास में सक्रिय भूमिका निभा सकें। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने विद्यालय की विभिन्न कक्षाओं का अवलोकन किया तथा विद्यार्थियों से संवाद कर उनके शैक्षणिक स्तर का आकलन किया। उन्होंने छात्रों से विभिन्न विषयों पर प्रश्न पूछे और उन्हें नियमित अध्ययन, अनुशासन तथा एकाग्रता बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। उपायुक्त ने कहा कि विद्यार्थियों में अनुशासन स्थापित करने के लिए शारीरिक दंड की आवश्यकता नहीं होती, बल्कि संवाद, मार्गदर्शन और संवेदनशीलता से अधिक सकारात्मक परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि आत्मविश्वासी, उत्तरदायी और प्रेरित विद्यार्थियों के निर्माण के लिए मानवीय दृष्टिकोण अत्यंत आवश्यक है। उल्लेखनीय है कि उपायुक्त हेमराज बैरवा पिछले लगभग एक वर्ष से 'अपना विद्यालय' कार्यक्रम के अंतर्गत राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बगली से जुड़े हुए हैं और इस दौरान वे कई बार विद्यालय का दौरा कर शैक्षणिक प्रगति, आधारभूत सुविधाओं तथा विद्यार्थियों के कल्याण की निरंतर समीक्षा कर चुके हैं। इस अवसर पर उप निदेशक शिक्षा कांगड़ा कमलेश कुमारी तथा शिक्षा विभाग के नोडल अधिकारी सुधीर भाटिया भी उपस्थित रहे।

चिट्टा गतिविधियों में शामिल 11 पुलिस कर्मी नौकरी से बर्खास्त

शिमला । हिमाचल प्रदेश सरकार ने चिट्टे के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करते हुए आज 11 पुलिस कर्मियों को सेवा से बर्खास्त कर दिया है। इन कर्मचारियों के खिलाफ यह कार्रवाई प्रदेश सरकार की चिट्टा और नशे के खिलाफ शून्य सहिष्णुता नीति के अनुरूप, एनडीपीएस एक्ट के मामलों में संलिप्त पाये जाने पर की गई है। यह कार्रवाई भारतीय संविधान के अनुच्छेद 311(2)(बी) के तहत की गई है। यह कार्रवाई स्पष्ट और कठोर संदेश है कि कानून की रक्षा करने वाली पुलिस बल में कानून तोड़ने वालों के लिए कोई स्थान नहीं है। एनडीपीएस एक्ट के मामलों में संलिप्त 1-भारतीय रिजर्व बटालियन बनगढ़ में तैनात इंस्पेक्टर नीरज कुमार, जिला बिलासपुर में तैनात पुलिस कांस्टेबल शुभम ठाकुर, 3- भारतीय रिजर्व बटालियन पंडोह में तैनात कांस्टेबल कपिल, एसडीआरएफ में तैनात कांस्टेबल शिव कुमार, जिला शिमला पुलिस में तैनात कांस्टेबल लक्ष्य चौहान, एसवी एंड एसीबी में तैनात कांस्टेबल/ड्राइवर विशाल ठाकुर, 4-भारतीय रिजर्व बटालियन जंगलबैरी में तैनात कांस्टेबल गौरव वर्मा, 2-भारतीय रिजर्व बटालियन सकोह में तैनात कांस्टेबल/ड्राईवर संदीप राणा, एसडीआरएफ में तैनात कांस्टेबल अंकुश कुमार, स्टेट सीआईडी में तैनात कांस्टेबल रजत चंदेल तथा जिला शिमला में तैनात कांस्टेबल राहुल वर्मा को सेवा से बर्खास्त किया गया है। आज शिमला में एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने कहा कि पुलिस की जिम्मेदारी चिट्टे के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की है। अगर पुलिस कर्मी ही चिट्टा गतिविधियों में शामिल होंगे तो इस तरह की सख्त कार्रवाई अनिवार्य है। चिट्टा तस्करी व अवैध कारोबार में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। चिट्टा गतिविधियों में शामिल सरकारी कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई अमल में लाई जा रही है।

पुलिस महानिदेशक अशोक तिवारी ने पुलिस विभाग द्वारा चिट्टा के खिलाफ की गई कार्रवाई के बारे में विस्तृत प्रस्तुति दी। मुख्यमंत्री ने सभी विभागों को निर्देश दिए कि चिट्टे की तस्करी और चिट्टा गतिविधियों में शामिल सभी कर्मचारियों की विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर इसकी सूचना मुख्य सचिव को शीघ्र प्रदान की जाए। उन्होंने कर्मचारियों द्वारा चिट्टे से कमाई गई सम्पत्ति की रिपोर्ट तैयार कर सरकार को भेजने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि दो ग्राम तक के चिट्टे की सूचना के लिए 10 हजार रुपये, पांच ग्राम के लिए 25 हजार रुपये, 25 ग्राम के लिए 50 हजार रुपये, एक किलो के लिए पांच लाख रुपये तथा एक किलो से अधिक मात्रा में चिट्टे की सूचना देने के लिए 10 लाख रुपये ईनाम राशि दी जाएगी। उन्होंने कहा कि बड़े गिरोह के सूचना देने वाले को पांच लाख रुपये से अधिक की ईनाम राशि प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि चिट्टे से संबंधित किसी भी प्रकार की जानकारी साझा करने के लिए प्रदेश सरकार द्वारा 112 आपातकालीन नंबर शुरू किया गया है। उन्होंने लोगों से इस संबंध में किसी भी जानकारी को साझा करने के लिए इस नम्बर पर सम्पर्क करने का आह्वान किया। बैठक में ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री अनिरुद्ध सिंह, मुख्यमंत्री के प्रधान सलाहकार राम सुभग सिंह, मुख्य सचिव संजय गुप्ता, अतिरिक्त मुख्य सचिव के.के. पंत, मुख्यमंत्री के सचिव राकेश कंवर, सचिव सी. पालरासु, महाधिवक्ता अनूप रतन, निदेशक ग्रामीण विकास राघव शर्मा और वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री करेंगे सेब बागवानों के साथ आयोजित बैठक की अध्यक्षता

शिमला। बागवानी विभाग के एक प्रवक्ता ने आज यहां बताया कि 13 जनवरी, 2026 को मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू की अध्यक्षता में प्रदेश के किसान और बागवान संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ सचिवालय में बैठक आयोजित की जाएगी। उन्होंने बताया कि राजस्व, बागवानी, जनजातीय विकास एवं जन शिकायत निवारण मंत्री जगत सिंह नेगी भी इस बैठक में उपस्थित रहेंगे। उन्होंने बताया कि न्यूजीलैंड के साथ हुआ मुक्त व्यापार समझौता प्रदेश के बागवानों के लिए चिंता का विषय है। इसी उद्देश्य के लिए मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू की अध्यक्षता में बागवानों और किसान-बागवान संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर विचार-विमर्श किया जाएगा। बैठक में पूर्व विधायक व किसान सभा के अध्यक्ष राकेश सिंघा, संयुक्त किसान मंच के सह-संयोजक संजय चौहान, स्टोन फ्रूट ग्रोवर एसोसिएशन के अध्यक्ष दीपक सिंघा, प्रोग्रेसिव ग्रोवर एसोसिएशन के अध्यक्ष आशुतोष चौहान और अन्य बागवान संगठनों के प्रतिनिधि शामिल होंगे।

राजस्व मंत्री ने जल विद्युत परियोजनाओं के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की

भू-राजस्व अदा करने के संबंध में लिए सुझाव

शिमला। राजस्व, बागवानी, जनजातीय विकास मंत्री जगत सिंह नेगी की अध्यक्षता में आज यहां 185 करोड़ मार्केट वैल्यू तक की (बाजार पूंजीकरण) जल विद्युत परियोजनाओं के प्रतिनिधियों के साथ भू-राजस्व अदा करने के संबंध में बैठक हुई। बैठक में विद्युत परियोजनाओं के प्रतिनिधियों ने अपने सुझाव दिए। राजस्व मंत्री ने सभी को सहानुभूतिपूर्वक सुना और जल्द ही उचित निर्णय लेने का आश्वासन भी दिया। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने हाल ही में भू-राजस्व के विशेष आकलन की प्रक्रिया पूरी की है। राज्य सरकार द्वारा अनुमोदन से पहले सभी पक्षों को सुना जा रहा है ।

आवश्यक सूचना

पाठकों को सलाह दी जाती है कि किसी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया से पहले विज्ञापन में प्रकाशित किसी उत्पाद या सेवा के बारे में पूरी तरह जांच पड़ताल कर लें। यह समाचार पत्र उत्पाद या सेवा की गुणवत्ता आदि के विवरण के बारे में विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे उल्लेख की पुष्टि या समर्थन नहीं करता। समाचार पत्र उपरोक्त विज्ञापनों के बारे में किसी भी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।

RNI NO: HARHIN/2002/08034, Postal Regd No. HR/AB/54/23-25, स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक एकान्ति राय गर्ग द्वारा जनपथ पब्लिशर्स, बूथ नं.: 437-पी (बी.पी.पेट्रोल पंप के पीछे) सेक्टर-8, पंचकूला से प्रकाशित। **सम्पादक:- एकान्ति रॉय गर्ग,** मुख्य कार्यालय: बूथ नं: 437-पी (बी.पी.पेट्रोल पंप के पीछे) सेक्टर-8 पंचकूला-134109(हरियाणा)। मो.: 9915606900, email : hindjanpath@gmail.com, argarg1610@gmail.com ।

न्यूज डायरी

'युद्ध नशों विरुद्ध'' के 317वें दिन पंजाब पुलिस ने 69 नशा तस्कर किए गिरफ्तार

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। राज्य से नशों के पूर्ण उन्मूलन के लिए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशों पर शुरू की गई मुहिम " युद्ध नशों विरुद्ध'" के 317वें दिन पंजाब पुलिस ने आज 272 स्थानों पर छापेमारी की। इस दौरान पूरे राज्य में 49 एफआईआर दर्ज कर 69 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया गया। इसके साथ ही 317 दिनों में गिरफ्तार किए गए कुल नशा तस्करों की संख्या 44,191 हो गई है।

इन छापेमारियों के दौरान गिरफ्तार किए गए नशा तस्करों के कब्जे से 3.3 किलोग्राम हेरोइन, 385 नशीली गोलियां/कैप्सूल और 1.10 लाख रुपये की ड्रग मनी बरामद की गई है।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने पुलिस आयुक्तों, उपायुक्तों और एसएसपी को पंजाब को नशा-मुक्त राज्य बनाने के निर्देश दिए हैं। नशों के विरुद्ध इस जंग की निगरानी के लिए पंजाब सरकार ने वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय कैबिनेट सब-कमेटी का गठन भी किया है।

इस अभियान के दौरान 58 गजटेड अधिकारियों की निगरानी में 800 से अधिक पुलिस कर्मियों वाली 100 से अधिक पुलिस टीमों ने राज्य भर में 272 स्थानों पर छापेमारी की। दिन भर चले इस अभियान के दौरान पुलिस टीमों ने 271 संदिग्ध व्यक्तियों की जांच भी की।

यह भी उल्लेखनीय है कि पंजाब सरकार ने राज्य से नशों के उन्मूलन के लिए त्रि-स्तरीय रणनीति—इन्फोर्समेंट, डी-एडिक्शन और प्रिवेंशन (ई डी पी) लागू की है। इसी रणनीति के तहत आज पंजाब पुलिस ने 18 व्यक्तियों को नशा छोड़ने और पुनर्वास का उपचार लेने के लिए प्रेरित किया है।

प्रोड्यूसर रास और रनदेव ने मिलकर स्वैग से भरपूर नया सिंगल, 'शी नोज़' लॉन्च किया

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। आत्मविश्वास का शोरगुल के साथ जोरदार प्रदर्शन करने की संस्कृति के बीच, प्रोड्यूसर रास और वोकलिस्ट रनदेव अपनी नई रिलीज़, 'शी नोज़' में धैर्य, नियंत्रण और मौजूदगी का एहसास पेश कर रहे हैं। 'शी नोज़' में देर रात की ऊर्जा को पेश किया गया है, जब मौजूदगी शब्दों से ज्यादा प्रभावशाली एहसास प्रदान करती है। इसमें फ्लेक्स संस्कृति और संयम के बीच बहते हुए स्वैगर एक ऐसी ध्वनि का निर्माण करता है, जो बहुत शिष्ट, आकर्षक और नियंत्रित होती है।

'शी नोज़' गीत भीड़ से भरे हुए परिदृश्य और शोरगुल के बीच स्पष्टता पेश करता है। यह हमें स्मरण कराता है कि आत्मविश्वास के लिए ध्यान को खींचने की जरूरत नहीं होती है। इसके बोल रनदेव ने लिखे हैं, निर्माण रास ने किया है और रनदेव ने इसे अपनी आवाज दी है। इस पर परफॉर्म रनदेव और रास ने किया है। रनदेव के वोकल्स स्पष्ट और संतुलित हैं, जो हर ताल के साथ उभरकर आते हैं। गीत के बोल तीव्र और ऐच्छिक हैं, जो क्लब-रेडी हुक्स से स्ट्रीट-स्मार्ट गीतों के बीच सहजता से प्रवाहित होते हैं। इन सबको साथ में पिरोया है, रास ने, जिनका प्रोडक्शन शुद्ध अपबीट होने के बाद भी मिनिमल है। इसलिए यह ट्रैक बहुत एडिक्टिव हो गया है, जिसमें स्वैगर प्राकृतिक रूप से उभरकर आता है।

'शी नोज़' गीत के बोल स्वतंत्रता और आकर्षण के बीच के तनाव का चित्रण करते हैं। यह गीत ऐसे क्षणों का चित्रण करता है, जिनमें कैमिस्ट्री को समझाना नहीं पड़ता है, बल्कि इसका एहसास अपने आप हो जाता है। इसके बोलों में एक शांत अकड़न है, लेकिन यह बहुत नियंत्रित है, ताकि यह गीत जीवंत होने के साथ चंचल भी बना रहे। बड़े सिस्टम, देर रात की ड्राईव और बार-बार सुनने के लिए बनाया गया यह गीत आपके दिल में अपनी जगह बना लेगा।

निर्माता रास ने कहा, ''यह गीत उस कैमिस्ट्री के बारे में है, जिसे आपको समझाना नहीं पड़ता है। यह एक शांत आश्वासन है। यह बिना ज्यादा सोचे उस पल में रहने के बारे में है। हमने इसके बोलों और वोकल्स को सादा और नियंत्रित रखा ताकि श्रोता प्रोडक्शन के भाव को आसानी से समझकर अपनी भावनाओं में डूब सकें।

भारत विकास परिषद नॉर्थ फाइव द्वारा लोहड़ी का पर्व मनाया गया

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। भारत विकास परिषद, नॉर्थ 5 द्वारा परिषद अध्यक्ष दीपक मित्तल की अध्यक्षता में सेक्टर 23 मुनि जी के मंदिर में लोहड़ी का त्योहार मनाया गया। इस अवसर पर डांस, नृत्य गिद्दा, तरह-तरह के सांस्कृतिक प्रोग्राम प्रस्तुत किए गए। इस अवसर पर स्टेट महिला प्रमुख मीना राणा, कमलेश अरोड़ा, प्रेमलता शाह, राखी शर्मा, राजेश कुमारी राजेश धवन, विमला लता अरोड़ा, कांता जैन के साथ प्रोजेक्ट इंचार्ज कांत जैन और सुशील शर्मा सहित परिषद के सभी सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम उपरांत लोहड़ी पर्व अग्नि जगा कर तिल और मूंगफली से पूजा कर अग्नि के इर्द गिर्द डांस किया गया। प्रोग्राम उपरांत भोजन प्रसाद वितरित किया गया।

श्री हनुमंत धाम में धियां की स्पेशल लोहड़ी धूमधाम से मनाई

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। आज श्री हनुमंत धाम सेक्टर 40 बी में नारी जागृति मंच के द्वारा धियां की स्पेशल लोहड़ी बहुत ही धूमधाम और अनुठे तरीके से मनाई गई । इस अवसर 50 से अधिक मौजूद सभी धियों ने लोकगीत गाए तथा खूब डांस और नृत्य किया। इस अवसर पर प्रधान श्रीमती नीना तिवारी ने कहा कि पिछले 22 सालों से श्री हनुमंत धाम में धियों की लोहड़ी मनाई जाती है जिससे समाज में जागरूकता आई है और हर घर में बेटी की लोहड़ी मनाई जाती है। हमारा प्रयास वूमेन एंपावरमेंट के ऊपर होता है जो कि हर वर्ष सफल होता है। बच्चों की लोहड़ी तो हर कोई मानता है लेकिन धियों की स्पेशल लोहड़ी श्री हनुमंत धाम में मनाई गई जिसे देखकर सभी धियों में अलग सा उल्लास और उत्साह था। सभी बेटियों को संस्था की ओर से लाल चुनरिया दी गई तथा उन्हें खूब सारे तोहफे दिए गए । इसका विशेष लक्ष्य था कि बच्चों को उनकी संस्कृति के साथ जोड़ना। वहां मौजूद सभी बेटियों ने और संस्था के महिलाओं ने कहा कि हम अपने महावीर भाई के घर में आकर लोहड़ी का त्यौहार बड़े उमंग और बड़े उत्साह से बना रहे हैं और हर साल वीर हनुमान जी के घर यानी कि अपने भाई के घर आएंगे और लोहड़ी का त्योहार धूमधाम से मनाएंगे ।

युद्ध नशेयां विरुद्ध 2.0: डॉ. बलबीर सिंह ने नशीले पदार्थों के दुरुपयोग के खिलाफ व्यापक लहर और नशा पीड़ितों के पुनर्वास के लिए कौशल विकास कार्यक्रमों की वकालत की

- **स्वास्थ्य मंत्री ने 'युद्ध नशेयां विरुद्ध -2.0 के तहत गांवों में चल रही पदयात्राओं की प्रगति की समीक्षा की**
- **डिप्टी कमिश्नरों को आई.टी.आई., एन.जी.ओ. और उद्योगों से सहयोग करने के निर्देश दिए ताकि नशों से उबर रहे व्यक्तियों को रोजगार आधारित कौशलों से लैस करके समाज की मुख्यधारा में शामिल किया जा सके**

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री स. भगवंत सिंह मान के निर्देशानुसार राज्य से नशों का पूर्ण उन्मूलन करने के लिए, पंजाब के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. बलबीर सिंह ने आज 'युद्ध नशों विरुद्ध' 2.0 के तहत गांवों में चलायी जा रही पदयात्राओं की प्रगति का जायजा लिया। स्वास्थ्य मंत्री वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से डिप्टी कमिश्नरों के साथ बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे।

लोगों की सक्रिय भागीदारी की आवश्यकता पर जोर देते हुए, डॉ. बलबीर सिंह ने इन पदयात्राओं को प्रभावी और समावेशी बनाने पर बल दिया, जिसके तहत कार्यान्वयन आधारित दृष्टिकोण से हटकर इसे व्यापक स्तर पर जन आंदोलन में बदला जाएगा।

नशा पीड़ितों की रिकवरी और उन्हें समाज की मुख्यधारा में शामिल होने के लिए सशक्त बनाने की महत्वता को उजागर करते हुए, डॉ. बलबीर सिंह ने सभी डिप्टी कमिश्नरों को निर्देश दिए कि वे आई.टी.आई., कृषि विकास केंद्रों, गैर-सरकारी संगठनों और उद्योगों से सहयोग करें ताकि नशे की लत से उबर रहे व्यक्तियों को नौकरी-आधारित कौशल प्रशिक्षण प्रदान किया जा सके। उन्होंने कहा, 'नशा पीड़ितों के लिए सफल पुनर्वास और समाज की मुख्यधारा में शामिल होने के लिए कौशल विकास और रोजगार के अवसर प्रदान करना अत्यंत महत्वपूर्ण है।'

डॉ. बलबीर सिंह ने डिप्टी कमिश्नरों को पदयात्राओं के लिए अधिक से अधिक लोगों को जुटाने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि यह मुहिम किसी राजनीतिक पार्टी से संबंधित नहीं है और न ही चुनाव संबंधी लाभ लेने के लिए की जा रही है। उन्होंने कहा, 'यह पहल हमारी आने वाली पीढ़ियों को बचाने के बारे में है। इस नेक काम के लिए, हमें सभी राजनीतिक और अन्य पक्षपातों से ऊपर उठना चाहिए और पंजाब को नशा मुक्त बनाने के लिए मिलकर काम करना चाहिए।'

समाज में कलंक मानने की प्रवृत्ति को कम करने की महत्वता को उजागर करते हुए, मंत्री ने कहा कि ये पदयात्राएं कलंक मानने की प्रवृत्ति को कम करने संबंधी सरकार की पहल का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, क्योंकि यह सामाजिक कलंक नशा पीड़ितों को मदद और पुनर्वास प्राप्त करने के रास्ते में बाधा बनता है। उन्होंने समाज के सभी वर्गों को इस मुहिम में सक्रिय रूप से भाग लेने और इसे एक जन आंदोलन में बदलने का आह्वान किया।

बैठक में सीईओ, स्टेट हेल्थ एजेंसी कम नोडल अधिकारी, मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम संयम अग्रवाल, डायरेक्टर ईएसआई डॉ. अनिल गोयल और डिप्टी सीईओ एसएचए डॉ. जतिंदर कांसल तथा डॉ. सुरिंदर कौर सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे।

मेहर चंद महाजन डीएवी महिला महाविद्यालय में उत्साह के साथ मनाई गई स्वामी विवेकानंद जयंती

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। मेहर चंद महाजन डीएवी महिला महाविद्यालय, चंडीगढ़ की एनएसएस इकाइयों ने कॉलेज के गृह विज्ञान विभाग के सहयोग से स्वामी विवेकानंद की जयंती को अत्यंत उत्साह एवं श्रद्धा के साथ मनाया। यह कार्यक्रम स्वामी विवेकानंद के आदर्शों को सम्मानित करने तथा युवाओं को आत्मनिर्भरता, सांस्कृतिक गौरव और सामाजिक उत्तरदायित्व के मूल्यों को अपनाने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत "डिकोडिंग ट्रेडिशन लाइफस्टाइल" विषय पर एक विशेषज्ञ व्याख्यान से हुई, जिसे कॉलेज के गृह विज्ञान विभाग की अध्यक्ष डॉ. हरजोत मान ने प्रस्तुत किया। इस सत्र में पारंपरिक भारतीय पाक-पद्धतियों की वैज्ञानिक प्रासंगिकता, पोषण संबंधी लाभ तथा उनकी स्थायी महत्त्व पर प्रकाश डाला गया। डॉ. मान ने स्वदेशी ज्ञान परंपराओं के संरक्षण के महत्त्व को रेखांकित करते हुए विद्यार्थियों को स्वास्थ्य एवं पर्यावरण के अनुकूल प्राचीन पाक परंपराओं से पुनः जुड़ने के लिए प्रेरित किया। यह सत्र अत्यंत संवादात्मक रहा, जिसमें विद्यार्थियों एवं शिक्षकों की सक्रिय सहभागिता देखने को मिली।

इसके पश्चात "थ्रेड्स ऑफ़ ट्रेडिशन" शीर्षक से एक मार्गदर्शित प्रदर्शनी का आयोजन किया गया, जिसका संयोजन एवं प्रस्तुतीकरण गृह विज्ञान विभाग की सहायक प्रोफेसर डॉ. रति अरोड़ा द्वारा किया गया। प्रदर्शनी में पारंपरिक वस्त्रों, हथकरघा कपड़ों एवं स्वदेशी हस्तशिल्पों का समृद्ध संग्रह प्रदर्शित किया गया, जो भारत की विविध सांस्कृतिक विरासत को प्रतिबिंबित करता है। मार्गदर्शित भ्रमण के दौरान पारंपरिक शिल्पकला, तकनीकों तथा जातीय हस्तशिल्पों के सामाजिक-सांस्कृतिक महत्व की जानकारी दी गई, जिससे विद्यार्थियों में भारत की कारीगर परंपरा के प्रति सराहना विकसित हुई।

कार्यक्रम के अंतर्गत "रन फॉर स्वदेशी" नामक एक जागरूकता मार्च का भी आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों एवं स्टाफ सदस्यों के बीच स्वदेशी जीवनशैली को बढ़ावा देना था। इस मार्च के माध्यम से स्वदेशी उत्पादों के उपयोग, स्थानीय कारीगरों के समर्थन तथा राष्ट्रीय महापुरुषों द्वारा प्रतिपादित आत्मनिर्भरता के विचारों के प्रति जागरूकता फैलाई गई।

इस पहल ने सांस्कृतिक गौरव और सतत विकास का संदेश प्रभावी रूप से प्रसारित किया। कार्यक्रम का समापन एक सार्थक संदेश के साथ हुआ, जिसमें स्वामी विवेकानंद द्वारा कल्पित सशक्त, अनुशासित एवं सामाजिक रूप से उत्तरदायी युवा की भावना को पुनः सुदृढ़ किया गया। कॉलेज की प्राचार्या श्रीमती नीना शर्मा ने एनएसएस इकाइयों के समर्पित प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की गतिविधियाँ भारतीय मूल्यों में रचे-बसे, समकालीन चुनौतियों के प्रति सजग एवं उत्तरदायी नागरिकों के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

5 सिग्नल बटालियन, सीआरपीएफ के स्थापना दिवस समारोह का शुभारम्भ किया सतनाम सिंह संधू ने

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। 5 सिग्नल बटालियन, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, हल्लोमाजरा, चण्डीगढ़ का 38वां स्थापना दिवस वाहिनी मुख्यालय में बड़ी धूमधाम से एक उत्सव के रूप में आयोजित किया जा रहा है जिसके अन्तर्गत विभिन्न खेलकूद प्रतियोगिताएँ, सांस्कृतिक एवं मेले का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि सतनाम सिंह संधू, राज्यसभा सांसद व चांसलर, चण्डीगढ यूनिवर्सिटी एवं दिनेश उनियाल, महानिरीक्षक, पश्चिमोत्तर सेक्टर मुख्यालय, विशाल कन्डवाल, कमाण्डेंट 5 सिग्नल व अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में मुख्य अतिथि द्वारा दीप प्रज्वलित कर समारोह का विधिवत शुभारम्भ किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में बच्चों के साथ-साथ जवानों द्वारा अपनी नृत्यकला का जादू बिखेरते हुए उपस्थित दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया गया।

इस अवसर पर आयोजित मेले में विभिन्न प्रकार के मनोरंजन खेलों के स्टॉल भी लगाये गये। कैम्प परिसर में आवासरत परिवारों के सदस्यों द्वारा बड़ी संख्याओं में पहुँचकर सांस्कृतिक कार्यक्रम व मेले का आनन्द उठाया गया। मुख्य अतिथि महोदय द्वारा सभी स्टॉलों का भ्रमण किया गया व बताया गया कि बल के संस्थान की स्थापना दिवस को एक समारोह के रूप में आयोजित करना एक परम्परा है व 5 बेतार वाहिनी, द्वारा इसे एक भव्य तथा उत्कृष्ट तरीके से आयोजित किया है, जिसके लिए उनके द्वारा बटालियन के कमाण्डेंट श्री विशाल कन्डवाल के प्रयासों की प्रशंसा की गई व बटालियन के जावानों को इस शुभ अवसर पर शुभकामनाएं दी गई। विशाल कन्डवाल, कमाण्डेंट द्वारा अपने सम्बोधन के दौरान बताया गया कि 5 सिग्नल वाहिनी का गठन 12 जनवरी, 1989 को किया गया था। उस समय देश में विघटनकारी शक्तियां जिनमें जम्मू व कश्मीर फ्रंट, नॉर्थइस्ट फ्रंट तथा पंजाब फ्रंट मुक्य था में लगातार सिर उठा रही थी तथा केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल जो कि देश की आन्तरिक सुरक्षा का एक मुख्य स्तम्भ है को इन सभी फ्रंट से मुकाबला करने के लिए संचार व्यवस्था के सुदृढीकरण की आवश्यकता थी। उस समय 5 सिगनल बटालियन द्वारा अस्तित्व में आकर उस आवश्यकता को पूर्ण किया गया ।

चण्डीगढ़ का व्यापारी वर्ग अवैध रेहड़ी-फड़ी वालों से परेशान : सीबीएम ने निगम कमिश्नर से की मुलाकात

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। चण्डीगढ़ व्यापार मंडल (सीबीएम) के एक प्रतिनिधिमंडल ने अध्यक्ष संजीव चड्ढा की अगुवाई में नगर निगम आयुक्त अमित कुमार से मुलाकात की और शहर के बाजारों में लगातार बढ़ रही अवैध रेहड़ी-फड़ी वालों की समस्या को लेकर अपनी गहरी चिंता व्यक्त की।

यह बैठक सेक्टर 19 में हाल ही में घटी उस घटना के बाद हुई, जिसमें एक अवैध विक्रेता ने एक दुकानदार पर हमला कर दिया था। इस घटना से व्यापारियों में भारी रोष फैल गया। प्रतिनिधिमंडल में चेयरमैन एवं पूर्व पार्षद चरणजीव सिंह, सलाहकार सुशील बंसल, पूर्व सक्रिय सदस्य नवदीप शर्मा, तथा चंदन, महाजन और विक्की मनचंदा शामिल थे। उन्होंने बिना अनुमति वाले विक्रेताओं के खिलाफ सख्त और त्वरित कार्रवाई की मांग की।

आयुक्त ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया कि वाणिज्यिक क्षेत्रों से सभी अवैध विक्रेताओं को हटाया जाएगा और केवल अधिकृत वेन्डिंग ज़ोन में ही रेहड़ी-फड़ी लगाने की अनुमति होगी। साथ ही उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएँ। ये जानकारी सीबीएम के उपाध्यक्ष एवं आधिकारिक प्रवक्ता दिवाकर सहूंजा ने दी।

श्री मुक्तसर साहिब में माघी मेले के लिए सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध

स्पेशल डीजीपी कानून एवं व्यवस्था अर्पित शुक्ला ने माघी मेले से पूर्व श्री मुक्तसर साहिब में सुरक्षा प्रबंधों की समीक्षा की

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। माघी के ऐतिहासिक और पवित्र मेले से पहले, पंजाब के स्पेशल डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (कानून एवं व्यवस्था) अर्पित शुक्ला ने आज श्री मुक्तसर साहिब में सुरक्षा, यातायात और जनसुविधाओं से संबंधित सभी प्रबंधों की व्यापक समीक्षा की, ताकि इस आयोजन को सुचारू और सुरक्षित ढंग से संपन्न किया जा सके।

उल्लेखनीय है कि 40 मुक्तों की शहादत को समर्पित तीन दिवसीय वार्षिक माघी मेला 13 जनवरी से 15 जनवरी, 2026 तक श्री मुक्तसर साहिब में आयोजित किया जाएगा।

स्पेशल डीजीपी ने डिप्टी इंस्पेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (डीआईजी) फरीदकोट रेंज नीलांबरी जगदले तथा सीनियर सुपरिंटेंडेंट ऑफ पुलिस (एसएसपी) श्री मुक्तसर साहिब अभिमन्यु राणा के साथ मिलकर रैली स्थल, वाहन एवं बस पार्किंग स्थलों, पुलिस सांझा हेल्प डेस्कों, संवेदनशील स्थानों तथा पूरे शहर में स्थापित नाकों का गहन निरीक्षण किया।

जिक्रयोग्य है कि पूरे क्षेत्र को योजनाबद्ध ढंग से सात सेक्टरों में विभाजित किया गया है और मेले में आने वाली संगत की सुरक्षा, सुगम यातायात तथा सुविधा सुनिश्चित करने के लिए राजपत्रित अधिकारियों की निगरानी में 6,000 से अधिक पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया है।

स्पेशल डीजीपी अर्पित शुक्ला ने जानकारी दी कि 37 प्रमुख स्थानों पर 100 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। भीड़भाड़ और संवेदनशील क्षेत्रों की हवाई निगरानी के लिए दो ड्रोन टीमें तथा भीड़ नियंत्रण और प्रभावी पुलिस उपस्थिति के लिए घुड़सवार पुलिस बल सहित बहु-स्तरीय निगरानी व्यवस्था तैनात की गई है। उन्होंने बताया कि 94 कड़े नाके (54 बाहरी और 40 आंतरिक) लगाने के निर्देश जारी किए गए हैं।

उन्होंने कहा कि हर समय संगत को सहायता उपलब्ध कराने के लिए प्रत्येक सेक्टर में मेडिकल टीमों से लैस पुलिस सांझा हेल्प डेस्क स्थापित किए गए हैं। इसके अतिरिक्त, प्रत्येक सेक्टर में अस्पताल निर्धारित किए गए हैं तथा किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पूरे शहर में पर्याप्त संख्या में एंबुलेंस और फायर ब्रिगेड की व्यवस्था की गई है। विशेष डीजीपी ने बताया कि संगत की निर्बाध आवाजाही और किसी भी प्रकार की असुविधा से बचने के लिए एक विशेष ट्रैफिक योजना तैयार की गई है। भारी वाहनों के शहर में प्रवेश पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया है और निर्धारित मार्गों पर केवल आपातकालीन वाहनों को ही आवागमन की अनुमति दी गई है। उन्होंने कहा कि भीड़ नियंत्रण के लिए शहर में प्रवेश करने वाली सभी सड़कों पर 10 पार्किंग स्थल निर्धारित किए गए हैं तथा छह अस्थायी बस स्टैंड स्थापित किए गए हैं।

जनहित में अहम फैसला: भगवंत मान सरकार पंजाब की सार्वजनिक परिवहन प्रणाली में लायी व्यापक बदलाव

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा हाल के वर्षों में सरकारी बस सेवाओं में किए गए व्यापक विस्तार के कारण पंजाब की परिवहन व्यवस्था में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन लाया जा रहा है। सरकार के बेड़े में 1,279 बसें शामिल करने का निर्णय केवल संख्या बढ़ाने तक सीमित नहीं है, बल्कि शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के नागरिकों के लिए किफायती, सुरक्षित, सुलभ और निर्बाध संपर्क को प्राथमिकता देने की दिशा में एक ठोस कदम है।

वर्तमान में पंजाब सरकार के अधीन 2,267 बसें संचालित की जा रही हैं, जिनमें से 1,119 पनबस (पंजाब स्टेट बस स्टैंड मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड) के अधीन हैं। मान सरकार द्वारा प्रत्यक्ष खरीद और लीज—दोनों माध्यमों से बसों के विस्तार को सूझ-बूझ के साथ मंजूरी दी गई है, जिससे वित्तीय बोझ की परवाह किए बिना विस्तार सुनिश्चित किया गया है। इस विस्तार के तहत 796 बसें सीधे खरीदी जाएंगी, जबकि 483 बसें किलोमीटर स्कीम के अंतर्गत शामिल की जाएंगी, जिससे राज्य की मांग और रूट संबंधी जरूरतों का सुव्यवस्थित ढंग से समाधान किया जा सकेगा।

इस विस्तार योजना के अंतर्गत 696 साधारण बसों और 100 मिडी बसों की खरीद की जाएगी। पनबस को 387 साधारण बसें दी जाएंगी, जबकि पीआरटीसी (पेप्सू रोड ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन) को 309 साधारण बसें मिलेंगी। पीआरटीसी में 100 मिडी बसें शामिल की जाएंगी, क्योंकि ये छोटी बसें शहरों की भीड़भाड़ वाली सड़कों और ग्रामीण रूटों के लिए अधिक उपयुक्त हैं, जहां बड़ी बसों का संचालन संभव नहीं होता। यह विस्तार छोटे कस्बों और गांवों की लंबे समय से चली आ रही परिवहन संबंधी मांग को पूरा करेगा, जिसे पहले नजरअंदाज किया गया था।

यह कदम दर्शाता है कि भगवंत मान सरकार किस प्रकार जमीनी स्तर पर सुधारों को लागू कर रही है। सभी नई खरीदी गई साधारण बसें एआईएस-153 मानकों को पूरा करेंगी, जिससे सुरक्षा और सुलभता में वृद्धि होगी। आंशिक रूप से दिव्यांग यात्रियों के लिए बेहतर बोर्डिंग सुविधाएं, व्हीलचेयर-अनुकूल पहुंच, कम शोर और कंपन तथा बेहतर प्रदर्शन—यात्री और चालक दोनों के लिए अधिक आरामदायक और सम्मानजनक अनुभव सुनिश्चित करते हैं। इन बसों में फायर डिटेक्शन सिस्टम, स्पष्ट आपातकालीन संकेत, जीपीएस, सीसीटीवी, एलईडी लाइटें और नाइट लैंप जैसी सुविधाएं विशेष रूप से रात के समय यात्रा करने वाली महिलाओं के लिए मजबूत सुरक्षा ढांचा सुनिश्चित करती हैं।

राज्य सरकार ने पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी को भी गंभीरता से निभाया है। किलोमीटर स्कीम के तहत पनबस द्वारा 100 एचवीएसी (हीटिंग, वेंटिलेशन और एयर कंडीशनिंग) बसें और 100 साधारण बसें, साथ ही अन्य वोल्वो बसें शामिल की जाएंगी, जिससे इसके बेड़े की कुल संख्या 1,721 हो जाएगी। एचवीएसी बसें भारत स्टेज-6 मानकों का पालन करेंगी, जिससे कम उत्सर्जन और बेहतर सार्वजनिक स्वास्थ्य सुनिश्चित होगा। पीआरटीसी द्वारा भी इसी स्कीम के तहत 254 साधारण बसें और 14 इंटीग्रल कोच बसें खरीदी जाएंगी।

कुल मिलाकर पीआरटीसी में 670 अतिरिक्त बसें शामिल की जाएंगी, जबकि समग्र विस्तार के तहत पनबस में 602 बसें जोड़ी जाएंगी। पनबस और पीआरटीसी को दी जाने वाली ये बसें पूरे राज्य में बस सेवाओं की निरंतरता, विश्वसनीयता और बेहतर रूट कवरेज सुनिश्चित करेंगी।

संपादकीय

अतिक्रमण की भेंट चढ़ती जिंदगी

देश भर में पेड़ों की अंधाधुंध कटाई और वनों के घटते दायरे से मनुष्य और वन्यजीवों के बीच संघर्ष गहराता जा रहा है। जंगलों में मानव गतिविधियों की निरंतरता से सह-अस्तिव से जुड़े प्रकृति के नियमों का उल्लंघन हो रहा है। इसके नतीजतन भोजन की तलाश में वन्य जीव रिहायशी इलाकों की ओर रुख कर रहे हैं और जिसकी कीमत न केवल फसलों के नुकसान के रूप में चुकानी पड़ रही है, बल्कि कई बार लोग उनकी आक्रामकता का भी शिकार हो जाते हैं।झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम जिलेमें मंगलवार रात एक ऐसी ही दिल दहला देने वाली घटना सामने सामने आई, जिसमें एक जंगली हाथी के हमले में छह लोगों की मौत हो गई। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह हाथी पिछले कुछ दिनों से क्षेत्र में उत्पाद मचा रहा था। इस घटना के बाद वन कर्मी हरकत में आए और हाथी को जंगल की ओर खदेड़ दिया।ऐसे में सवाल है कि वन विभाग ने समय रहते स्थिति की गंभीरता को क्यों नहीं समझा? इन लोगों की मौत के लिए आखिर कौन जिम्मेदार है? यह गंभीर चिंता का विषय है कि न सिर्फ हाथी, बल्कि चीते और तेंदुए जैसे खतरनाक जानवर भी जंगलों से निकल कर अब इंसानी बस्तियों की ओर रुख कर रहे हैं। दरअसल, जंगलों के नजदीक अतिक्रमण बढ़ रहा है।आसपास बसावट से हाथियों और अन्य वन्य प्राणियों की शांति भंग हो रही है। साथ ही वनों की कटाई से उनके लिए भोजन का संकट भी पैदा हो रहा है। नतीजा यह कि वे अपने ही आवास से बेदखल हो रहे हैं। जंगली हाथियों की बात की जाए तो उनके हमलों में हर वर्ष कई लोगों की जान जा रही है।हाल के वर्षों में पश्चिम बंगाल और झारखंड से लेकर असम, तमिलनाडु और केरल तक कई राज्यों में हाथियों के हमले की घटनाएं बढ़ी हैं। मानव से संघर्ष में हाथियों की भी मौत हो रही है। कई बार तो उनके मार्ग में आने वाली रेल पटरियां भी उनकी मौत का सबब बन जाती हैं।

चरमसीमा पर पहुंचता अराजकता का तांडव

विश्व मानसिकता पर स्वार्थ का स्थाई ग्रहण लग चुका है। सिद्धान्तों, नियमों और कानूनों को दफन करके सामर्थ की विजय पताका फहराने लगी है। अमेरिका के वर्तमान कृत्यों ने युद्ध के सारे आदर्श नस्तनाबूत कर दिये हैं। मान्यताप्राप्त स्थापित राष्ट्र के राष्ट्राध्यक्ष को गिरफ्तार करके यातनायें देने की एक नई परम्परा का शुभारम्भ हो चुका है। यह सब मातृभूमि के गद्दारों, स्वार्थी तत्वों और धनलोलुपों की बाढ के कारण ही सम्भव हुआ है। मीर जाफरों की जमातों की बाढ आ गई है। संसार के लगभग सभी राष्ट्रों में डीपस्टेट सहित सम्पन्न राष्ट्रों के जासूसों की भरमार होती जा रही है।

(डा. रवीन्द्र अरजरिया)

कहीं भौतिक सम्पन्नता की अन्तहीन संचय प्रवृत्ति भितरघातियों की संख्या में इजाफा कर रही है तो कहीं कट्टरता का दावानल अपनों को ही लीलने की तैयारी कर चुका है। कहीं लालची भीड की दुश्मन के खेमें में आमद दर्ज हो रही है तो कहीं विश्वास का दिखावा शत्रुता की चरम बनता जा रहा है। रूस ङ्क यूक्रेन की जंग हो या फिर इजराइल का गाजा पर प्रतिशोध, सभी में कम - ज्यादा ही सही परन्तु अन्तर्राष्ट्रीय युद्ध मानकों का अनुपालन तो हो ही रहा है अन्यथा विध्वंसकारी समर्थ राष्ट्र के आगे शत्रु देश कब के नस्तनाबूत हो चुके होते। वैज्ञानिक शोध के आधार पर जीवन के साठ बसन्त देखने के बाद व्यक्ति की निर्णायक क्षमता और संवेदनशीलता दौनों क्षरण होने लगता है। इसका जीत जागता उदाहरण हमारे सामने है। अहंकार, लालच और अन्तहीन सम्पत्ति अर्जन की प्रवृत्ति की सजीवता अमेरिका के राष्ट्राध्यक्ष डोनाल्ड ट्रम्प के रूप में सजीव मौजूद हैं जिनके शब्दों से लेकर कृत्यों तक में हमेशा ही विरोधाभाष परिलक्षित होता है। नोबेल शान्ति पुरस्कार पाने, पैसों के अम्बार पर ठहाका लगाने और विश्व को अपने कदमों तले रौंदने की ललक ने उसे अंधा बना दिया है। परिवारजनों की कम्पनियों के लाभ हेतु लादेन को छुपाने वाले देश के साथ यारी, मुनाफाखोरी के लिए आक्रमण और चक्रवर्ती बने हेतु कमजोर राष्ट्रों को भय दिखाकर गुलाम बनाने की नीतियां अपनाने के कारण ट्रम्प को अब तुगलक वाली पागल बादशाही मिलने ही वाली है। सत्ता के मद में अंधा हो चुका अमेरिका का वर्तमान राष्ट्राध्यक्ष वास्तव में स्वयं के लिए ही मौत का कुंआ खोद रहा है जिसमें उसकी दर्द की सीमापार करने वाली मौत प्रतीक्षारत है। अनेक मुद्दों पर ट्रम्प की नीतियों ने अमेरिका के दोस्तों को भी दुश्मन की कतार में खडा कर दिया है। इन सबके पीछे है शक्ति संतुलन का दम भरने वाले देशों का जबडा विहीन शेर बनकर दहाडाना। चीन, रूस, उत्तरी कोरिया जैसे देशों की अतीतकालीन दहाडें, दोस्ती का दम भरकर मुसीबत में साथ देने के वायदे और उन सब की व्यवहारिक परिणति ने दूध का दूध और पानी का पानी कर दिया है। कथनी और करनी में अन्तर का अर्थ अब स्वयं तक सीमित रहने और केवल स्वयं का स्वार्थ साधने की सीमा रेखा के रूप में परिलक्षित होने लगा है। तानाशाही के जीवन्त उदाहरण ने अन्य आतिताइयों को भी अपने लक्ष्य भेदन हेतु मनमाने कृत्यों की छूट देने हेतु प्रेरणा देना शुरू कर दिया है। ऐसे में चीन यदि ताइवान पर कब्जा कर लेता है तो कोई आश्चर्य नहीं होगा। चरमसीमा पर पहुंचता अराजकता का तांडव समूची दुनिया को जहां एक ओर तीसरे विश्व युद्ध की आग में झौकने की तैयारी में लगा है वहीं कट्टरता के झंडे तले गजवा-ए-दुनिया के लक्ष्य भेदन का मार्ग प्रशस्त कर रहा है। यथार्थ तो यह है कि वर्तमान में समूची दुनिया में जहां मीर जाफरो की जमातें तेजी से बढ रहीं है वहीं कट्टरता के मसीहा अपनी सल्तनत कायम करने के लिए पवित्र पुस्तक की मनमानी व्याख्या करके लोगों को बरगाले में लगे हैं। तानाशाहों की फेरिस्त में नाम जुडवाकर शान्ति के मसीहा बनने की ख्वाहिश पालने वालों से लेकर पीढियों तक के लिए वैभव जोडने वालों तक में अहंकार चरमसीमा पर पहुंच चुका है। वर्तमान हालातों को देखकर लाठी वाले की भैंस मानने की स्थितियां निर्मित हो रहीं हैं जिस पर देश के अन्दर घोषित और अघोषित भितरघातियों

की जमातें अपनों का खून बहाने के लिए पटकथायें लिखनें में लगीं हैं। विदेशों में अपनी मातृभूमि का निंदा करने वालों की पैत्रिक जमात अब तक बहुरूपिया बनाकर अपने ही देश को ठगते रहे। सत्ता सुख की वंशवादी आदत जाने का नाम नहीं ले रही हैं। जहां एक ओर देश में अपनी ही मां की कीमत पर पैसे कमाने और सिंहासन पर काबिज रहने के लिए डीप स्टेट और दुश्मनों के दोस्त बनकर भितरघात करने वाले वंशवादी लोग अब सात समुन्दर पार बैठे अपने आकाओं के इशारे पर अपनों का ही लहू पीने के लिए वातावरण तैयार करने में लगे हैं वहीं दूसरी ओर दुनिया भर में कट्टरता के जुमले गगनभेदी होते जा रहे हैं। मानसिक बटवारे के लिए सम्प्रदायवाद, जातिवाद, भाषावाद, क्षेत्रवाद और रंगभेद जैसे अनगिनत कारक उत्पन्न किये जा रहे हैं। वर्गीकरण के शिंकजे में तडफती मानवता अब फिर से अपने उद्धार के लिए चीत्कार कर रही है। किसी फरिश्ते, देवदूत या परमात्मा के पुत्र के अवतरण की भविष्यवाणियां एक बार फिर अपने संवादों से आम आवाम में आशा की किरण जगा रहीं हैं अन्यथा निराशा का बबंडर अपनी तूफानी गति से समूची मानवता को निगलने के लिए कब से तैयार खडा है। ऐसे में केवल और केवल सनातन से जुडे पराविज्ञान के अनूठे प्रयोग ही एक मात्र संजीवनी बनकर डूबते के लिए तिनके का सहारा बनते दिख रहे हैं। इस हेतु वर्तमान में अहिंसा, सौहार्द, शान्ति, भाईचारा जैसे आदर्शों की महती आवश्यकता है अन्यथा भौतिकवादी कालनेमी समूचे संसार को अपनी गिरफ्त में ले ही लेंगे। इस बार बस इतना ही। अगले सप्ताह एक नई आहट के साथ फिर मुलाकात होगी।

सड़कों पर खून, अस्पतालों में लाशों के ढेर, ईरान के खौफनाक मंजर देखकर दुनिया हैरान है!

ईरान में महंगाई के खिलाफ शुरू हुए सरकार विरोधी प्रदर्शनों ने हिंसक रूप ले लिया है, जिसमें सुरक्षा बलों की कार्रवाई से 216 से ज्यादा लोग मारे गए हैं। देश के अस्पतालों में शवों और घायलों की भीड़ है, जबकि सरकार ने प्रदर्शनकारियों को 'विनाशकारी तत्व' बताते हुए पीछे न हटने की चेतावनी दी है। ईरान में चल रहे सरकार विरोधी प्रदर्शन अब हिंसक और दर्दनाक मोड़ ले चुके हैं। मेडिकल कर्मियों और प्रत्यक्षदर्शियों ने जो खबरें दी हैं, वे रूह कपा देने वाली हैं। बताया जा रहा है कि देश के अस्पतालों में घायलों और शवों की इतनी भीड़ है कि मुर्दाघरों में जगह कम पड़ गई है।

(एकता)

अस्पतालों के खौफनाक हालातन ईरान के अलग-अलग शहरों से मिल रही रिपोर्टों के अनुसार, सुरक्षा बलों की कार्रवाई में बड़ी संख्या में युवा प्रदर्शनकारी मारे जा रहे हैं। यहां के पोरसीना अस्पताल में एक ही रात में 70 शव लाए गए। मुर्दाघर भरने के बाद शवों को अस्पताल के प्रार्थना कक्ष में जमीन पर एक के ऊपर एक रखना पड़ा। तेहरान के डॉक्टरों ने बताया कि मरने वाले ज्यादातर 20 से 25 साल के युवा हैं। उनके सिर और दिल में सीधे गोलियां मारी गई हैं। स्थिति इतनी खराब थी कि कई लोगों को इमरजेंसी बेड तक पहुंचने से पहले ही मृत घोषित कर दिया गया।

काशान और शिराज जैसे शहरों से खबर है कि प्रदर्शनकारियों की आंखों में गोलियां मारी गई हैं। घायलों की संख्या इतनी ज्यादा है कि अस्पतालों में ऑपरेशन करने के लिए सर्जन कम पड़ गए हैं।

इंटरनेट बंद

रिपोर्टों के अनुसार, अब तक 110 से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं और लगभग 2,600 लोगों को जेल में डाल दिया गया है। पिछले चार दिनों से ईरान में इंटरनेट लगभग पूरी तरह बंद है, जिससे वहां की सटीक जानकारी बाहर आने में बहुत मुश्किल हो रही है।

क्यों जल रहा है ईरान?

यह विरोध प्रदर्शन करीब दो हफ्ते पहले महंगाई और खराब आर्थिक स्थिति के खिलाफ तेहरान से शुरू हुआ था, जो अब 100 से ज्यादा शहरों में फैल चुका है। लोग अब सरकार को हटाने की मांग कर रहे हैं। प्रदर्शनकारियों ने कई सरकारी इमारतों और गाड़ियों में आग लगा दी है।

सरकार का कड़ा रुख

ईरान के सर्वोच्च नेता ने कड़ा रुख अपनाते हुए कहा है कि यह सरकार लाखों लोगों के खून से बनी है और वह किसी भी कीमत पर पीछे नहीं हटेगी। उन्होंने प्रदर्शनकारियों को

'विनाशकारी तत्व' बताते हुए उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की बात कही है। सेना ने भी घोषणा की है कि वह पुलिस के साथ मिलकर प्रदर्शनों को कुचलेगी। ईरान के पूर्व राजा के बेटे रजा पहलवी ने प्रदर्शनकारियों का हौसला बढ़ाया है। उन्होंने लोगों से अपील की है कि वे शहरों के मुख्य केंद्रों पर कब्जा करें और कहा कि वह जल्द ही ईरान लौट सकते हैं।

वर्ग पहेली 5972

1	2	3		4	5	■	■
6			■	7			8
9		■	10			■	
■	11				■	12	■
13	■	■		■	14		
15				■	16		■
	■	■	17			■	18
19				■	■	20	

संकेतः बाएं से दाएं
1. त्रिशला के बेटे होने के कारण भगवान महावीर का एक नाम (6)
6. कारण, मंगलोत्सव, धर्म-कर्म (3)
7. एक जैसी शक्ल वाले, एकरूप (4)
9. रदपट, अधर, ओंठ, ओष्ठ (2)
10. खरगोश को यह भी कहते है (3)
11. लुंगी को यह भी कहते है (4)
14. नदी, सरिता, निर्झरणी, कूलिनी (3)
15. अभिनेत्री जयाप्रदया की पहली फिल्म, शास्त्रीय संगीत में सप्तक (4)
16. पुरूष, मर्द, वह खूंटी छाया जानने के लिए खड़े बल गाड़ी जाती है (2)
17. इस देश में येन मुद्रा का प्रचलन है (3)
19. मुखिया, दलनायक, सिख धर्मावलंबी (4)
20. दृढ प्रतिज्ञा, गौरव, इस फिल्म के कुछ दृश्यों की शूटिंग इंदौर में भी हुई थी, नायक थे दिलीप कुमार (2)

ऊपर से नीचे
1. तीनों कालभूत, भविष्य और वर्ततान (3)
2. पानी या अन्य रसीले पेय को शक्कर मे घोलकर बनाया गया पदार्थ (4)
3. शर्म, हया, लज्जा (2)
4. आतंक, भय, दबदबा, भयातंक (4)
5. जलरस, नोन, लवण (3)
8. मुंशी, नायाब, लिपिक (2)
10. कब्र पर जलाया जाने वाला चिराग (6)
12. बारह युगों में से तीसरा युग पुराणानुसार यह 864000 वर्ष का माना गया है (3)
13. मुहम्मद रफी ने अंतिम गीत इस फिल्म के लिए गया था (1980), निकट में, पड़ोस में, दक्षिण वाम पार्श्व में (4)
14. मुख मंडल, मुख विवर, सिरयुक्त (3)
18. यह नदी भारत के मध्यप्रदेश राज्य से निकलकर उत्तरप्रदेश , झारखंड की पहाड़ियों से गुजरती हुई पटना के समीप जाकर गंगा नदी में मिल जाती है (2)

वर्ग पहेली 5971 का हल

गु	ज	रा	त	■	सि	क्ति	म
ल	ल	का	र	■	प	■	घा
जा	■	■	फ	जी	ह	त	■
री	ति	■	दा	■	सा	ह	स
ला	■	बा	र	■	ला	■	च
ल	क	ब	■	धा	र	■	■
नं	ब	र	■	र	■	■	ग्री
दा	रा	■	गु	णा	■	पा	स

माघ मास 2026- त्रिवेणी संगम में स्नान, दर्शन, स्पर्श और जल सेवन का पुण्य है अमोघ

(ज्योतिषाचार्य आशुतोष वार्ष्णेय)

जब भी कोई व्यक्ति तीर्थराज प्रयागराज के त्रिवेणी संगम पर स्नान करता है और पवित्र मन से हर हर गंगे का स्मरण करता है, तो वह अन्दर से भी शुद्ध हो जाता है और बाहर से भी, यही तीर्थराज प्रयागराज की अद्भुत महिमा है।

तीर्थराज प्रयागराज का महात्म्य और माघ मेले की महिमा शब्दों में व्यक्त करना आसान नहीं है। तीर्थों के राजा कहलाने वाले प्रयागराज का अपना वैदिक, शास्त्रोक्त और अध्यात्मिक महत्व है। जब दूर-दराज के भक्त तीर्थराज प्रयागराज पहुंचते हैं तो वे देखते हैं कि यहां गंगा और यमुना मइया प्रत्यक्ष हैं, लेकिन सरस्वती मइया विलुप्त हैं। गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती का मिलन त्रिवेणी संगम कहलाता है। मां सरस्वती की धारा श्रद्धालुओं को दिखती नहीं है, परन्तु मां सरस्वती का ज्ञान विद्वतजनों की वाणी से प्रस्फुटित होता है। यहां जो भी कथा, प्रवचन, सत्संग आदि विद्वतगण, आचार्य, संत बोलते हैं, वह सरस्वती की वाणी ही है। गंगा, यमुना प्रत्यक्ष हैं और मां सरस्वती वाणी के रूप में तीर्थराज प्रयागराज में विद्यमान हैं।

हालांकि यहां की मान्यता है कि पाताल लोक से सरस्वती का मिलन आज भी गंगा और यमुना से हो रहा है। चाहें कथा श्रवण हो, चाहें भागवत अथवा गीता, पुराण आदि की चर्चा, यज्ञों के मंत्र, आचार्यों की सूक्तियां, ये सब मां सरस्वती का ज्ञान ही है, जो दूर-दराज से आए हुए लोगों का कल्याण करता है। जो भी व्यक्ति यहां पर आकर इन पवित्र देवतुल्य नदियों में स्नान करता है, चाहें किसी विशिष्ट पर्व के दौरान करता है अथवा बिना पर्व के करता है, उसे लाभ अवश्य मिलता

है, परिस्थितियां समय की होती हैं, पर्व का विशेष फल प्राप्त होता है। यहां पर संगम स्नान पापों का क्षय करने वाला माना जाता है।

त्रिवेणी संगम स्नान, स्पर्श, दर्शन का है अमोघ फल

गंगा सहित यमुना, सरस्वती के संगम में स्नान करने का सौभाग्य बड़े पुण्य से ही प्राप्त होता है। संत बताते हैं कि संगम का दर्शन करना विशेष फलदायी होता है, त्रिवेणी संगम के जल का स्पर्श करना भी विशेष फलदायी होता है, एक बूंद जल भी अगर जिह्वा पर आ जाए तो वह अनन्त गुणा फलदायी है। संत आगे बताते हैं कि चाहें हम संगम में स्नान कर लें, चाहें आचमन कर लें अथवा चाहें संगम में हम प्रणाम कर लें, शुभफल हमको अवश्य मिलेगा। जरूरी नहीं है कि हम जाकर डुबकी लगाऐंगे, तभी हमें फल मिलेगा। एक बार डुबकी लगाने से मनोवृत्ति बदल जाती है। जब भी कोई व्यक्ति यहां स्नान करता है और पवित्र मन से हर हर गंगे का स्मरण करता है, तो वह अन्दर से भी शुद्ध हो जाता है और बाहर से भी, यही तीर्थराज प्रयागराज की अद्भुत महिमा है।

आज का राशिफल

मेष
आज बेहतर होगा कि आप अपने काम में ज्यादा ध्यान दें। किसी कारण आज आपको खुद पर कंट्रोल करना पड़ सकता है। कई लोगों के लिए दिन भर आलस का माहौल रहेगा। आपकी परेशानी का कारण छोटी मोटी टेंशन है। शाम को घर में अधिक समय बिताने से घरवालों को अच्छा लगेगा।

वृष
आज दिन भर काफी बिजी शेड्यूल रहेगा। शाम तक अच्छी खबरें मिलेंगी और आप फायदे में भी रहेंगे। प्रोफेशनल मामले में सावधानी बरतने से होने वाले नुकसान को बचाया जा सकता है। इन्वेस्टमेंट के मामले में आज फायदा उठाया जा सकता है।

मिथुन
आज का दिन एक्साइटमेंट से भरा है, दोपहर तक कोई टेलीफोन कॉल के जरिये किसी खास मामले में जानकारी दे सकता है। स्टूडेंट अपना ज्यादा से ज्यादा ध्यान पढ़ाई में लगाएं तो फायदा मिलेगा। बिजनेसमैन अपने धंधे में नई तकनीक अपना सकते हैं।

कर्क
आज का दिन आपके लिए स्पेशल साबित हो सकता है। किसी एक ही तरकीब पर काम करना काफी रहेगा। आज कोई रिस्क वाला कदम न उठाएं। परिवार में मौजूद आपके विरोधी फिलहाल कुछ समय तक सिर नहीं उठा पाएंगे।

सिंह
आज का दिन बहुत अच्छा बीतेगा। दिल में कोई बात या नया आइडिया हो तो फौरन आगे बढ़ें फायदा जरूर होगा। रिश्तेदारों से पुराने गिले शिकवे दूर करने का समय है। दोस्तों के साथ रहने से फायदा हो सकता है। किसी कारण घरवालों से बहसबाजी होगी।

कन्या
आज आपका दिन काफी बिजी कर देने वाला होगा। दिमाग से किए गए काम का फायदा होगा और इसकी खुशी होगी। पुराने समय से चली आ रही टेंशन भी कम हो जाएगी। अगर आप दूसरों की मदद करेंगे तो आपकी मदद करने वाले भी आएंगे।

तुला
आज आपको दिन के पहले हिस्से में फोन कॉल्स के जरिए आज कोई खुशखबरी मिलेगी। ऑफिस के साथी भी टीमवर्क से खुश होंगे। लेनदेन और बिजनेस में खतरा हो सकता है। हेल्थ पर ध्यान देने की जरूरत है। रोमांस के मामले में भी आज अच्छा दिन है, खर्च जरूर थोड़ा बढ़ सकता है।

धनु
आज आपका टाइम अच्छा है इसका पूरा फायदा उठाएं। ऑफिस में साथियों से बहस में न उलझें। आपकी कई इच्छाएं आज पूरी होंगी। घूमने फिरने से कोई जरूरी काम बन सकता है। किसी अभियान में आपकी जीत हो सकती है। फाइनेन्स से जुड़े कामों में अनुभवी लोगों की सलाह लेना फायदेमंद होगा।

कुंभ
आज टीमवर्क से काम करने वाला दिन है। ऑफिस में अपने साथियों के साथ मिलकर काम करने से अच्छे रिजल्ट मिलेंगे। बातचीत से कोई नया फायदे का आइडिया आ सकता है। दोस्त के लिए तोहफा खरीदते वक्त आपकी जेब का ख्याल रखें।

वृश्चिक
आज दिन के पहले हिस्से में मेहनत कुछ ज्यादा ही करनी होगी। शाम तक मुनाफे के कई मौके आएंगे। घूमने फिरने के मौके जब भी आते हैं आप हमेशा तैयार रहते हैं। ऐसा ही मौका आज शाम को भी है। पार्टी में किसी अच्छे और असरदार लोगों से मेल मुलाकात होगी और कोई खास काम की चिंता भी खत्म होगी।

मकर
आज आपकी किसी से अनबन न हो इस बात का ध्यान रखें। काम काज में आपकी स्थितियां बेहतर होंगी। बिजनेस में मुनाफे की आशा रहेगी और शादीशुदा जिंदगी में भी कामयाब होगी। दिन भर काम करने लायक बहुत से काम हैं लेकिन किसे करना है और किसे नहीं यह आपको सोचना है।

मीन
आज का दिन काफी धीमा हो सकता है। आहिस्ता आहिस्ता आगे बढ़ने से ही फायदा हो सकता है। कोशिश जारी रखें तो अटके हुए काम भी बन जाएंगे। सतर्क होकर अपने काम में जुट जाएं शायद यह संघर्ष का आखिरी दौरा होगा।

चीन ने लगा दिया अड़ंगा, रुक गया रिलायंस का बड़ा प्रोजेक्ट

मुकेश अंबानी ने किया है बड़ा निवेश

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की सबसे वैल्यूएबल कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज ने भारत में लिथियम-आयन बैटरी सेल बनाने की अपनी योजना फिलहाल रोक दी है। ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। इसकी वजह यह है कि उसे चीन से ज़रूरी तकनीक नहीं मिल पाई। सूत्रों के मुताबिक रिलायंस इस साल से बैटरी सेल बनाने की शुरुआत करना चाहती थी। इसके लिए वह चीन की कंपनी ज़ियामेन हिथियम एनर्जी स्टोरेज टेक्नोलॉजी कंपनी से सेल बनाने की तकनीक लाइसेंस पर लेने की बात कर रहे थी। लेकिन, ये बातचीत रुक गई। चीन की कंपनी ने इस साझेदारी से हाथ खींच लिया।

सूत्रों ने बताया कि रिलायंस ने बैटरी एनर्जी स्टोरेज कंटेनर असेंबली और सेल प्रोडक्शन दोनों के लिए कुछ मशीनरी आयात की है। लेकिन चीनी तकनीक तक पहुंच न होने के कारण सेल बनाने का काम रुका हुआ है। चीन ने कुछ खास सेक्टरों में अपनी तकनीक को बाहर जाने से रोकने के लिए नए नियम बनाए हैं। इस झटके के बाद रिलायंस अब बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम बनाने पर ध्यान दे रही है, जिनमें उसकी रिन्यूएबल पावर परियोजनाओं के लिए बिजली स्टोर की जा सके। चीन अब क्लीन एनर्जी से जुड़ी टेक्नोलॉजी के सौदों पर ज्यादा ध्यान दे रहा है। वह अपनी रणनीतिक बढ़त को बनाए रखना चाहता हैं। इससे विदेशी कंपनियों के लिए भारत में लोकल मैन्युफैक्चरिंग करना मुश्किल हो रहा है।

रिलायंस के एक प्रवक्ता ने ईमेल के जरिए बताया कि कंपनी की योजनाओं में कोई बदलाव नहीं आया है। उन्होंने कहा, आप देखेंगे कि क्ष्थस्र मैन्युफैक्चरिंग, बैटरी पैक मैन्युफैक्चरिंग और सेल मैन्युफैक्चरिंग हमेशा से हमारी एनर्जी स्टोरेज योजनाओं का हिस्सा रहे हैं और हम इन्हें लागू करने में अच्छी प्रगति कर रहे हैं।

उन्होंने चीनी कंपनी के साथ अपने रिश्ते के बारे में पूछे गए सवालों का जवाब नहीं दिया। चीनी कंपनी ने भी टिप्पणी के अनुरोध पर कोई जवाब नहीं दिया।

भारत और एशिया के सबसे बड़े रईस मुकेश अंबानी ने पिछले अगस्त में शेयरधारकों को बताया था कि रिलायंस की बैटरी बनाने की गीगाफैक्ट्री 2026 में शुरू हो जाएगी। रिलायंस ने साल 2021 में चार गीगाफैक्ट्री बनाने की घोषणा की थी। यह ग्रीन एनर्जी बिजनेस पर 10 अरब डॉलर के निवेश का हिस्सा था। सूत्रों का कहना है कि रिलायंस की अंदरूनी टीमों ने यह निष्कर्ष निकाला है कि अगर चीन की भरोसेमंद सेल तकनीक नहीं मिली, तो लागत बहुत बढ़ जाएगी और काम पूरा करने में भी ज्यादा जोखिम होगा।

दूसरे विकल्प: सूत्रों ने यह भी बताया कि जापान, यूरोप और दक्षिण कोरिया की वैकल्पिक तकनीकों का भी मूल्यांकन किया गया था, लेकिन उन्हें बड़े पैमाने पर भारत में इस्तेमाल के लिए बहुत महंगा और कम प्रतिस्पर्धी पाया गया। भारत लंबे समय से अपनी खुद की बैटरी बनाने की क्षमता विकसित करना चाहता है।

जीडीपी में 8 प्रतिशत का योगदान

अडानी ग्रुप गुजरात के कच्छ में करेगा 1.5 लाख करोड़ का निवेश

नईदिल्ली, एजेंसी। अडानी समूह अगले पांच साल में गुजरात के

कच्छ में 1.5 लाख करोड़ रुपये निवेश करने की योजना बना रहा है। यह पोर्ट्स से लेकर माइनिंग तक के अपने कारोबार वाले इस समूह ने अपने होम स्टेट गुजरात में निवेश बढ़ाने का फैसला किया है। अडानी पोर्ट्स एंड एसईजेड लिमिटेड के प्रबंध निदेशक करण अडानी ने रविवार को राजकोट में हुए वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस में कहा, हम अपनी खवड़ा परियोजना पूरी करके 2030 तक 37 गीगावॉट की पूरी क्षमता चालू कर देंगे, और साथ ही मुंद्रा में अपनी बंदरगाह क्षमता को भी अगले 10 साल में दोगुना कर देंगे। करण अडानी ने आगे कहा, ऐसे समय में जब वैश्विक अर्थव्यवस्था अनिश्चितता और बंटवारे का सामना कर रही है, भारत एक उम्मीद की किरण बनकर उभर रहा है। यहां करीब 8 प्रतिशत की वृद्धि हो रही है, विनिर्माण आधार बढ़ रहा है और देश 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था और दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर आत्मविश्वास से बढ़ रहा है। उनके अनुसार, गुजरात भारत के सबसे अधिक औद्योगिक रूप से विकसित और जुड़े राज्यों में से एक है। यह देश की जीडीपी में 8 प्रतिशत से अधिक का योगदान देता है, औद्योगिक उत्पादन में 17 प्रतिशत हिस्सेदारी रखता है, देश का 40 प्रतिशत कार्गो अपने बंदरगाहों से संभालता है और रिन्यूबल एनर्जी में अग्रणी है। गुजरात के भीतर, कच्छ परिवर्तन का एक शक्तिशाली प्रतीक है – एक बार दूरस्थ और चुनौतीपूर्ण माना जाने वाला यह क्षेत्र अब भारत के सबसे रणनीतिक औद्योगिक, लॉजिस्टिक्स और ऊर्जा केंद्रों में से एक बन गया है। करण अडानी ने कहा, जैसे भारत विकसित भारत 2047 की ओर बढ़ रहा है, गुजरात इस राष्ट्रीय परिवर्तन का आधारस्तंभ बना रहेगा। अडानी समूह एक मजबूत, आत्मनिर्भर और वैश्विक सम्मान वाले भारत के निर्माण में एक विश्वसनीय साझीदार बने रहने के लिए गहराई से प्रतिबद्ध है।

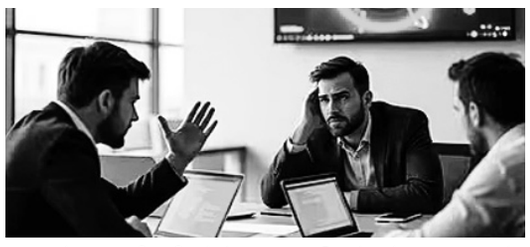

86 प्रतिशत आईटी दिग्गजों ने माना

एआई छीन नहीं रहा, बल्कि संवार रहा है नौकरियां

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय आईटी दिग्गज अब सिर्फ एआई

टूल्स को अपना ही नहीं रहे हैं, बल्कि एजेंटिक एआई के जरिए पूरी दुनिया में तकनीकी क्रांति का नेतृत्व कर रहे हैं। प्रौद्योगिकी परामर्श फर्म थॉटवर्क्स की नई रिपोर्ट के अनुसार, 86 फीसदी आईटी दिग्गजों ने माना है कि एआई की वजह से प्रतिभा निखर रही है और यह नौकरियां नहीं छीन रहा है। सर्वे के दौरान यह भी पता चला कि भारत एजेंटिक एआई जैसी उन्नत तकनीक को अपनाने के मामले में अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया जैसे विकसित देशों से काफी आगे निकल गया है। यह सर्वेक्षण सात देशों के 3,500 अधिकारियों पर किया गया, जिसमें 500 प्रतिभागी भारत से थे। रिपोर्ट के मुताबिक, एजेंटिक एआई को अपनाने के मामले में भारत 48 प्रतिशत के साथ दुनिया में सबसे आगे है। यह अमेरिका (28 प्रतिशत) और ऑस्ट्रेलिया (23 प्रतिशत) जैसे पश्चिमी बाजारों से बिल्कुल अलग स्थिति है, जो अभी भी पारंपरिक दक्षता सुधारने पर ही ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। दरअसल, एजेंटिक एआई तकनीक उन सिस्टम पर आधारित है, जो स्वतंत्र रूप से सोचने, तर्क करने और काम करने में सक्षम है। यह रुझान दर्शाता है कि भारतीय कंपनियां अब केवल एआई टूल का उपयोग नहीं कर रहीं, बल्कि वे पूरी तरह से एआई–आधारित बिजनेस मॉडल की ओर बढ़ रही हैं। सर्वे के दौरान 10 में नौ लोगों ने कहा कि एआई लोगों की प्रतिभा को निखार रहा है। इसकी वजह से सबसे बड़ा प्रभाव कौशल और काम की गति को बढ़ाने में दिख रहा है। इसके अलावा, 57 प्रतिशत कंपनियों ने बताया कि मानव–एआई सहयोग के कारण उनकी संस्थाओं में कुल भूमिकाओं और पदों में बढ़ोतरी हुई है। भारतीयों को एआई से होने वाले आर्थिक लाभ पर सबसे अधिक भरोसा है। पांच वर्षों में उनके राजस्व में 15 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि होगी, जो दुनिया में सबसे उच्च स्तर का आत्मविश्वास है। वहीं अगले 12 महीनों में 15 फीसदी की वृद्धि की उम्मीद रखने वाले भारतीय लीडर्स की संख्या लगभग 14 फीसदी है,

लेमन ट्री होटल्स के इस बड़े फैसले से शेयरों में उछाल

दो हिस्सों में बंट जाएगी कंपनी

नई दिल्ली, एजेंसी। लेमन ट्री होटल्स के शेयर सोमवार को कारोबार के दौरान 4 प्रतिशत उछले। वह भी तब मार्केट में गिरावट है। यह उछाल कंपनी द्वारा वैल्यू क्रिएशन और फंड जुटाने पर केंद्रित एक बड़े पुनर्गठन पहल की घोषणा के बाद आया। इस पुनर्गठन में कंपनी को दो अलग-अलग इकाइयों में बांटना और वारबर्ग पिंकस को रणनीतिक साझेदार बनाना शामिल है। आज लेमन ट्री के शेयर की कीमत

आज लेमन ट्री होटल्स के शेयर का भाव बीएसई पर 155.05 रुपये प्रति शेयर पर खुला। दिन के कारोबार में शेयर ने 155.90 रुपये का उच्चस्तर और 151.55 रुपये का निचला स्तर छुआ, हालांकि बाद में यह दिन के उच्चस्तर से नीचे आ गया।

पुनर्गठन की योजना: इस नई योजना के तहत, लेमन ट्री होटल्स अब एक समर्पित, एसेट-लाइट (कम संपत्ति वाला) होटल प्रबंधन और ब्रांडिंग प्लेटफॉर्म बन जाएगा। वहीं, एक नई बनाई गई इकाई, फ्लेर होटल्स के पास समूह की होटल स्वामित्व वाली संपत्तियां और उनके विकास की क्षमता होगी। फिलहाल, लेमन ट्री के पास फ्लेर होटल्स में 58.91 प्रतिशत हिस्सेदारी है, जबकि एपीजी के पास बाकी 41.09 प्रतिशत है। इस डील के तहत, प्राइवेट इक्विटी फर्म वारबर्ग पिंकस, एपीजी की फ्लेर होटल्स में पूरी 41.09 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीद लेगी। इसके अलावा, वारबर्ग ने भविष्य के डेवलपमेंट के लिए चरणबद्ध तरीके से फ्लेर होटल्स में 960 करोड़ रुपये निवेश करने का वादा किया है। लेमन ट्री होटल्स अपनी दो पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनियों को मूल कंपनी में मिला देगा, जबकि चार अन्य सहायक कंपनियों का फ्लेर होटल्स में विलय कर दिया जाएगा। कंपनी 12 होटल भी फ्लेर होटल्स को हस्तांतरित करेगी, जिसके बदले में फ्लेर के शेयर सीधे लेमन ट्री के शेयरधारकों को जारी किए जाएंगे। निर्धारित अनुपात के मुताबिक, लेमन ट्री होटल्स के हर 311 शेयरों के बदले शेयरधारकों को फ्लेर होटल्स के 20 शेयर मिलेंगे।

पुनर्गठन के बाद, फ्लेर होटल्स के पास 5,813 कमरों वाले 41 होटल होंगे, जो वर्तमान में 3,993 कमरों वाले 24 होटल हैं। दूसरी ओर, लेमन ट्री होटल्स 6,011 कमरों वाले 89 होटलों का प्रबंधन करेगा, जिनका स्वामित्व या तो फ्लेर होटल्स या तीसरे पक्ष के मालिकों के पास होगा। व्यवस्था पूरी होने पर, लेमन ट्री के शेयरधारक सीधे फ्लेर होटल्स के 32.96 प्रतिशत मालिक होंगे, जबकि लेमन ट्री 41.03 प्रतिशत हिस्सेदारी बरकरार रखेगी। फ्लेर होटल्स में बची हुई 26.01 प्रतिशत हिस्सेदारी वॉरबर्ग पिंकस के पास होगी।

कीमतें छुएंगी नई ऊंचाई या होंगी धड़ाम

इस हफ्ते कैसी रहेगी सोने-चांदी की चाल

नईदिल्ली, एजेंसी। इस हफ्ते सोना और चांदी की कीमतों में सकारात्मक रुझान बने रहने की उम्मीद है। जानकारों का मानना है कि वैश्विक स्तर पर बढ़ते तनाव और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ नीति पर अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के आने वाले फैसले को लेकर अनिश्चितता, सर्राफा बाजार को समर्थन देती रहेगी। इसके अलावा अमेरिका, भारत और जर्मनी से आने वाले महंगाई के आंकड़े, चीन के व्यापार और निवेश से जुड़े डेटा और अमेरिकी फेडरल रिजर्व के अधिकारियों के बयान भी अहम भूमिका निभाएंगे।

आज क्या गुल खिला सकती हैं चांदी

एक सेबी-पंजीकृत कमोडिटी विशेषज्ञ अनुज गुप्ता ने कहा कि ईरान में विरोध प्रदर्शनों को लेकर तनाव और संघर्ष में अमेरिका की भूमिका से जुड़े नवीनतम विकास कीमती धातुओं की कीमतों को बढ़ा सकते हैं। गुप्ता ने कहा, चांदी की कीमतें तेजी के साथ खुल सकती हैं और 82 से 85 डॉलर प्रति औंस तक पहुंच सकती हैं, जबकि एमसीएक्स में यह 2,56,000 और 2,60,000 रुपये प्रति किलोग्राम तक जा सकती हैं। ऑनलाइन ट्रेडिंग और वेल्थटेक फर्म एनरिच मनी के सीईओ पोनमुडी आर ने कहा कि एमसीएक्स पर चांदी की कीमतों को 2,40,000 से 2,45,000 रुपये प्रति किलोग्राम के दायरे में एक मजबूत सहायता मिलने वाली है। अगर चांदी की कीमतें 2,53,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर को तोड़ती हैं, तो सौर ऊर्जा, इलेक्ट्रिक वाहन और इलेक्ट्रॉनिक क्षेत्रों से बढ़ती मांग के कारण, मूल्य में गिरावट के दौरान आक्रामक संचय के चलते, आने वाले हफ्तों में यह बढ़त 2,60,000 से 2,70,000 रुपये प्रति किलोग्राम के दायरे तक जा सकती है।

जानकारों के मुताबिक, तकनीकी तौर पर सोना इस हफ्ते 1,41,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर की ओर बढ़ सकता है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने ने मजबूती दिखाई और कीमतें करीब 4 फीसदी उछलकर 4,500 डॉलर प्रति औंस के आसपास बंद हुईं। वहीं चांदी ने भी जबरदस्त तेजी दिखाई। एमसीएक्स पर चांदी करीब 6.94 फीसदी उछलकर 2,52,725 रुपये प्रति किलो पर बंद हुई, जबकि हफ्ते के दौरान यह रिकॉर्ड स्तर 2,59,692 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गई थी। गोल्ड और सिल्वर ईटीएफ में लगातार निवेश बढ़ रहा है। जानकारों का कहना है कि चांदी की तेजी बरकरार रही तो इसके दाम 2,80,000 से 3,00,000 रुपये प्रति किलो तक भी जा सकते हैं।

पीएसयू नवरत्न के शेयरों का भाव 4 प्रतिशत चढ़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। पीएसयू नवरत्न इरेडा के शेयरों में आज सोमवार को भारी बिकवाली के बीच तूफानी तेजी देखने को मिली है। कंपनी के शेयरों में 4 प्रतिशती के तेजी दर्ज की गई है। इस उछाल के पीछे की वजह तिमाही नतीजे हैं। बता दें, पब्लिक सेक्टर की कंपनी इरेडा का एकल आधार पर नेट प्रॉफिट चालू वित्त वर्ष की दिसंबर तिमाही में 37 प्रतिशत बढ़कर 585 करोड़ रुपये रहा। मुख्य रूप से कंपनी की आय बढ़ने से लाभ बढ़ा है। सरकारी कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि पिछले वित्त वर्ष की अक्टूबर–दिसंबर तिमाही में उसे 425 करोड़ रुपये का नेट प्रॉफिट हुआ था। बीएसई में आज सोमवार को इरेडा का शेयर 139.90 रुपये के स्तर पर खुला था। दिन में कंपनी के शेयरों का भाव 4 प्रतिशत की तेजी के साथ 142.30 रुपये के इंट्रा–डे हाई पर पहुंच गया है। कंपनी का ऑपरेटिंग रेवन्यू 38 प्रतिशत बढ़कर 2,140 करोड़ रुपये हो गया, जो एक साल पहले इसी तिमाही में 1,699 करोड़ रुपये था। इस तिमाही में इरेडा का मजबूत वित्तीय प्रदर्शन भारत के नवीकरणीय ऊर्जा बदलाव को तेज करने के हमारे प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

सबसे ज्यादा बिकने वाली दवा

एक महीने में 1,950 करोड़ की दवा! दिसंबर में टूट गए बिक्री के सारे

नई दिल्ली–देश के शहरों में बढ़ रही प्रदूषण का असर सीधे-सीधे मेडिकल बिलों में नजर आ रहे है। टीओआई की एक रिपोर्ट के मुताबिक दिसंबर 2025 में सांस से जुड़ी दवाइयों जैसे एलर्जी और अस्थमा की दवाओं की बिक्री 1,950 करोड़ रुपये के पार चली गई। यह अब तक का सबसे बड़ा मासिक आंकड़ा है जो प्रदूषण से जुड़ी बीमारियों के बढ़ते खतरे का संकेत दे रहा है। मार्केट रिसर्च फर्म फामारैक के आंकड़ों के मुताबिक दिसंबर 2025 में इन दवाओं की बिक्री दिसंबर 2024 की तुलना में 10 प्रतिशत और दिसंबर 2023 की तुलना में 18 प्रतिशत ज्यादा रही। इससे साफ है कि सांस से जुड़ी बीमारियों का प्रकोप हर साल बढ़ रहा है। प्रदूषण सबसे ज्यादा होता है। इस तिमाही के दौरान दवाओं की बिक्री 2024 की तुलना में 14 प्रतिशत और 2023 की तुलना में 8 प्रतिशत ज्यादा रही। इस तिमाही में सांस से जुड़ी बीमारियों की दवाओं की कुल बिक्री 5,620 करोड़ रुपये से ज्यादा रही। यह पिछली तिमाही से 17 प्रतिशत ज्यादा है। इसमें से करीब 3,500 करोड़ रुपये सिर्फ अस्थमा और (क्रॉनिक

ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज की दवाओं से आए। सीओपीडी एक ऐसी बीमारी है जिसमें सांस लेने में बहुत दिक्कत होती है। सर्दी के महीनों में अस्थमा और सांस की दूसरी समस्याओं के लिए इस्तेमाल होने वाली दवा फोराकोर्ट भी सबसे ज्यादा बिकने वाली दवाओं में से एक रही। दिसंबर में यह दूसरी सबसे ज्यादा बिकने वाली दवा थी। इसकी बिक्री 90 करोड़ रुपये रही। सबसे ज्यादा बिकने वाली दवा वजन घटाने वाली मौनजारो थी। कुल मिलाकर भारत में दवाओं का बाजार सालाना 2.4 लाख करोड़ रुपये का है। डॉक्टरों का कहना है कि हवा में प्रदूषण के कणों के संपर्क में आने से अस्थमा और सांस की बीमारियां बढ़ सकती हैं। यह गंभीर समस्याओं जैसे सीओपीडी कारण भी बन सकती हैं। गुरुग्राम में पारस हेल्थ के इएनटी विभाग के हेड अमिताभ मलिक ने बताया कि हवा में धूल और कणों के बढ़ने से एलर्जिक राइनाइटिस और ब्रोंकाइटिस के मरीजों की संख्या रोजाना ओपीडी में करीब 60 प्रतिशत तक बढ़ जाती है। मास्क और एयर प्यूरीफायर का इस्तेमाल, खासकर कमजोर लोगों के लिए बहुत मददगार होता है।

इलाज के लिए स्टेरॉयड इनहेलर और एंटी-एलर्जिक दवाएं सबसे जरूरी हैं।

पिता दिन के 100 से पालते थे परिवार, बेटे ने ऐसे खड़ा कर दिया करोड़ों का साम्राज्य

नई दिल्ली, एजेंसी। आज के दौर में करियर चुनना किसी चुनौती से कम नहीं है। भारत में लगभग 90 प्रतिशत स्टूडेंट सही मार्गदर्शन के अभाव में गलत करियर का चुनाव कर लेते हैं। इसी समस्या को दूर करने के लिए हैदराबाद के एम. राजा शेखर और उनके दोस्त के. वमसी प्रसाद ने कॉलेज मेंटर नाम के स्टार्टअप की शुरुआत की। यह स्टार्टअप केवल कॉलेजों की जानकारी देने वाला पोर्टल नहीं है। अलबत्ता, आठवीं क्लास से लेकर ग्रेजुएशन तक के छात्रों के लिए पूरा मेंटरशिप इकोसिस्टम है। इस कहानी की सबसे प्रेरणादायक बात संस्थापक राजा शेखर का संघर्ष है। उनके पिता कभी सिर्फ 100 रुपये दिन कमाकर परिवार पालते थे। आज

राजा शेखर का स्टार्टअप 5 करोड़ रुपये का रेवेन्यू (वित्त वर्ष 2024-25) हासिल कर चुका है। 250 से अधिक लोगों को यह रोजगार देता है। आइए, यहां एम. राजा शेखर की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं। एम. राजा शेखर का बचपन अभावों में बीता। उनके पिता दिन के 100 रुपये कमाते थे। इससे बड़ी मुश्किल से परिवार का गुजर-बसर होता था। राजा शेखर खुद एक क्रिकेटर बनना चाहते थे। लेकिन, आर्थिक तंगी के कारण उन्हें खेल छोड़ शिक्षा का रास्ता चुनना पड़ा। इंजीनियरिंग के दौरान उन्होंने देखा कि भारत में एजुकेशन पोर्टल सिर्फ येलो पेजेस की तरह जानकारी देते हैं। छात्रों को इनसे कुछ खास फायदा नहीं होता है। इसी अनुभव और सालों तक अलग-अलग विश्वविद्यालयों में कंसल्टेंट के रूप में काम करने के बाद उन्होंने अक्टूबर 2024 में कॉलेज मेंटर को लॉन्च किया। इसका मकसद था कि किसी भी छात्र को जानकारी के अभाव में अपना सपना न छोड़ना पड़े। राजा शेखर ने इस स्टार्टअप की नींव अपने एक दोस्त के. वमसी प्रसाद (पूर्व गूगल प्रोफेशनल) के साथ रखी। इस स्टार्टअप की सबसे बड़ी खासियत इसका 360-डिग्री पर्सनलाइज्ड मेंटरशिप मॉडल है। इसमें हर छात्र को छह स्पेशल मेंटर मिलते हैं। इनमें स्टूडेंट मेंटर (सीनियर की तरह गाइड), करियर मेंटर (इंडस्ट्री एक्सपर्ट), हेल्थ मेंटर (मानसिक तनाव दूर करने के लिए), एडमिशन मेंटर (फॉर्म भरने और कॉलेज चुनने के लिए), स्कॉलरशिप मेंटर और लोन मेंटर शामिल हैं।

रोशनी यहां है: 250 रुपये की फीस से 966 करोड़ का सफर

नई दिल्ली, एजेंसी। यह कहानी एक ऐसे युवक की है, जो खेतों की मिट्टी में पलकर बड़ा हुआ। घर की हालत इतनी खस्ताहाल थी कि पढ़ाई विलासिता जैसी चीज लगती थी। सुबह-सुबह बाकी बच्चे नींद में खोए रहते, लेकिन वह साइकिल पर दूध के डिब्बे लेकर गांव-गांव घूमता। उससे हुई थोड़ी-सी कमाई उसकी पढ़ाई, किताबों, किराये, और रोजमर्रा की जरूरतों का सहारा बनती। दिन बीतते गए, हालात कई बार बद से बदतर हुए, लेकिन उस लड़के का हौसला डगमगाया नहीं। चुनौतियों से लड़ते हुए उसने डेयरी टेक्नोलॉजी में डिग्री हासिल की और एक डेयरी

केमिस्ट के रूप में कॅरिअर की शुरुआत की। इसी ऊहापोह की स्थिति में कुछ समय बाद उसने नौकरी छोड़ दी। उस लड़के ने अलग-अलग जगहों पर जाकर काम किया और डेयरी उद्योग को गहराई से समझा। कुछ वक्त बाद उसने अपने दम पर एक छोटा-सा चिलिंग प्लांट शुरू किया। पूंजी कम थी, लेकिन उसकी ईमानदारी, मेहनत और लगन देखकर धीरे-धीरे किसान उस पर भरोसा करने लगे। यही भरोसे की बुनियाद धीरे-धीरे रेड काउ डेयरी नाम से विशाल पहचान बन गई, जिसमें न सिर्फ हजारों लोगों को रोजगार मिलता है, बल्कि यह लाखों किसानों की आमदनी का सशक्त आधार भी है। इस प्रेरक सफर का नाम है नारायण मजूमदार, जिन्होंने साबित किया कि अगर हौसला सच्चा हो, तो साधन अपने आप रास्ता बनाते हैं।

सिखों के लिए एक खास पर्व है लोहड़ी

लोहड़ी का त्योहार सिखों के लिए एक खास पर्व है। यह पर्व न सिर्फ खुशी और उल्लास का प्रतीक है, बल्कि यह किसानों के जीवन से भी जुड़ा हुआ है। लोहड़ी भारत के प्रमुख त्योहारों में से एक है, विशेषकर हरियाणा और पंजाब में इसे बड़े उत्साह के साथ मनाया जाता है।

यह त्योहार नई फसल की खुशी में मनाया जाता है और अग्नि देव की पूजा का दिन होता है। इस दिन किसान भगवान का आभार व्यक्त करते हैं ताकि उनकी फसल अच्छी हो। मान्यता है कि अग्नि देव की पूजा करने से घर में सुख-शांति और समृद्धि आती है। आपको बता दें, लोहड़ी की रात को अग्नि जलाकर उसमें तिल, गुड़, मूंगफली, रेवड़ी, खील और मक्की के दानों की आहुति दी जाती है। लोग लोहड़ी की परिक्रमा करते हैं और गीत गाते हैं। अब ऐसे में इस साल लोहड़ी का पर्व कब मनाया जाएगा और लोहड़ी का महत्व क्या है।

लोहड़ी कब मनाई जाएगी?

हिंदू पंचांग के अनुसार, हर साल मकर संक्रांति से ठीक एक दिन पहले लोहड़ी का त्योहार मनाया जाता है। इसी क्रम में, वर्ष 2026 में भी लोहड़ी 13 जनवरी को मनाई जाएगी। इसके अगले दिन, 14 जनवरी को सूर्य देव मकर राशि में प्रवेश करेंगे, जिसके साथ ही मकर संक्रांति का पर्व मनाया जाएगा।

लोहड़ी के दिन पूजा का महत्व क्या है?

लोहड़ी के दिन सबसे पहले अग्नि देव की पूजा की जाती है। मान्यता है कि अग्नि देव हमारी रक्षा करते हैं और घर में सुख-शांति लाते हैं। लोहड़ी के दिन नई फसल का स्वागत किया जाता है। अग्नि में नई फसल के दाने डालकर भगवान से अच्छी फसल की कामना की जाती है। लोहड़ी की अग्नि को बुरी नजर से बचाने का प्रतीक माना जाता है। लोग अग्नि के चारों ओर परिक्रमा लगाते हैं और अपनी मनोकामनाएं मांगते हैं। हड़ी के दिन लोग सुख-समृद्धि की कामना करते हैं। अग्नि में घी, तिल, गुड़ आदि डालकर भगवान को प्रसन्न किया जाता है।

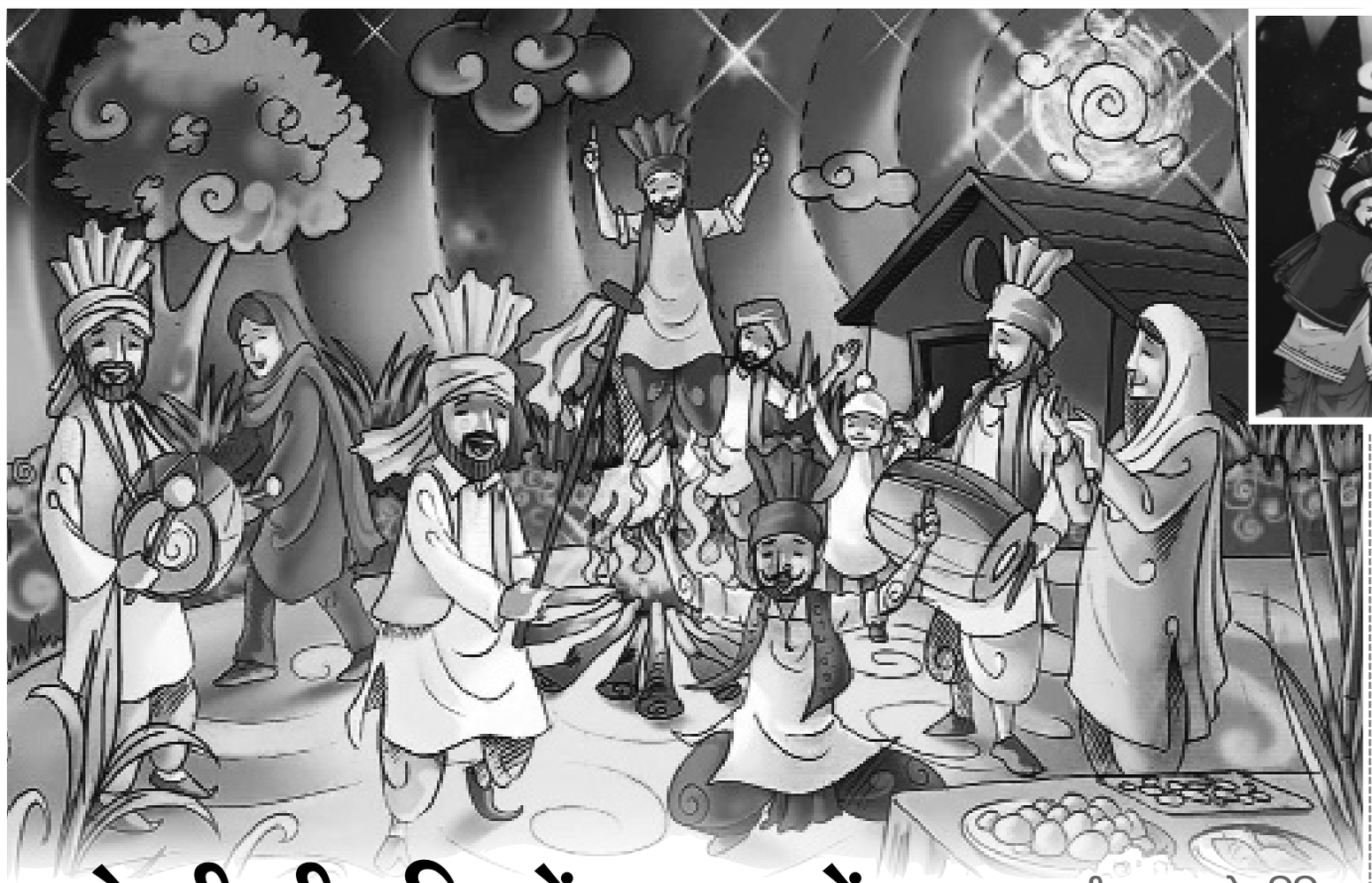

लोहड़ी की अग्नि में जरूर डालें ये 3 चीजें, सुख-समृद्धि के साथ हो सकता है भाग्योदय

लोहड़ी का त्योहार हर साल मकर संक्रांति से एक दिन पहले मनाया जाता है। यह पंजाब और हरियाणा में विशेष रूप से धूमधाम से मनाया जाने वाला एक लोकप्रिय त्योहार है। इस दिन शाम के समय लोग एक साथ मिलकर पवित्र अग्नि जलाते हैं। इस अग्नि को लोहड़ी की अग्नि कहा जाता है। अब ऐसे में इस पवित्र अग्नि में क्या डालने से लाभ हो सकता है। इसके बारे में विस्तार से जानते हैं।

लोहड़ी का त्योहार विशेषकर पंजाब और हरियाणा में बड़े उत्साह के साथ मनाया जाता है। इस त्योहार का नाम तिलोहड़ी शब्द से लिया गया है, जो तिल और रोरही गुड़ शब्दों के मेल से बना है। इस त्योहार के पीछे कई पौराणिक और ऐतिहासिक कथाएं जुड़ी हुई हैं, लेकिन इसका मुख्य उद्देश्य प्रकृति के प्रति आभार व्यक्त करना और नई फसल का स्वागत करना है। लोहड़ी मुख्य रूप से किसान समुदाय द्वारा मनाया जाता है। यह त्योहार रबी की फसल के कटने के बाद मनाया जाता है, इसलिए इसे फसल का त्योहार भी कहा जाता है। किसान अपनी कटी हुई फसल को अग्नि देवता को अर्पित करते हैं और एक समृद्ध वर्ष की कामना करते हैं। आपको बता दें, लोहड़ी को नए साल की शुरुआत के रूप में भी देखा जाता है। यह त्योहार सर्दियों के मौसम के अंत और वसंत ऋतु के आगमन का प्रतीक है। इस दिन लोग आग के चारों ओर नृत्य करते हैं और गीत गाते हैं। लोहड़ी की रात को साल की सबसे लंबी रात माना जाता है, जिसे शीतकालीन संक्रांति भी कहते हैं। इस दिन के बाद से दिन लंबे होने लगते हैं और सर्दी का प्रकोप कम होने लगता है। अब ऐसे में लोहड़ी की अग्नि में क्या डालना शुभ माना जाता है।

लोहड़ी की अग्नि में डालें मूंगफली

मूंगफली को अन्न का प्रतीक माना जाता है। लोहड़ी की अग्नि में मूंगफली डालकर किसान अपनी फसल की रक्षा के लिए प्रार्थना करते हैं और आने वाले समय में अच्छी फसल की कामना करते हैं। मूंगफली को सूर्य देव को अर्पित किया जाता है। मान्यता है कि सूर्य देव की कृपा से फसल अच्छी होती है। मूंगफली को समृद्धि का प्रतीक भी माना जाता है। लोहड़ी की अग्नि में मूंगफली डालकर लोग अपने घर में सुख-समृद्धि लाने की कामना करते हैं। मान्यताओं के अनुसार, मूंगफली को देवी लक्ष्मी का प्रिय फल माना जाता है। इसलिए लोहड़ी की अग्नि में मूंगफली डालकर लोग देवी लक्ष्मी को प्रसन्न करते हैं।

लोहड़ी की अग्नि में डालें रेवड़ी

हिंदू धर्म में अग्निदेव को बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है। लोहड़ी की अग्नि में रेवड़ी डालकर लोग अग्निदेव को प्रसन्न करते हैं और उनसे सुख-समृद्धि की कामना करते हैं। मान्यता है कि लोहड़ी की अग्नि में रेवड़ी डालने से बुरी शक्तियां नष्ट होती हैं और घर में सुख-शांति आती है। कई लोगों का मानना है कि लोहड़ी की अग्नि में रेवड़ी डालने से बच्चों पर कोई संकट नहीं आता और वे स्वस्थ रहते हैं।

लोहड़ी की अग्नि में डालें काले तिल

ज्योतिष शास्त्र में काले तिल को नकारात्मक ऊर्जा को दूर करने के लिए बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। इसलिए ऐसा कहा जाता है कि नजरदोष से छुटकारा पाने के लिए लोहड़ी के दिन काले तिल लोहड़ी की आग्नि में डालकर अच्छे स्वास्थ्य और सुखी वैवाहिक जीवन की कामना करते हैं।

आप सभी इस बात से परिचित होंगे की भारत को त्योहारों का देश कहा जाता है। लोहड़ी उन सभी त्योहारों में से एक है और यह उत्तर भारत में मनाए जाने वाले प्रमुख त्योहारों में से एक है। यह त्योहार आमतौर पर मकर संक्रांति से एक दिन पहले मनाया जाता है साथ ही मकर संक्रांति की पूर्व संध्या पर इस त्योहार का उल्लास रहता है। रात्रि में लोग खुले स्थान पर परिवार और अपने आस-पड़ोस के लोग मिलकर आग के किनारे घेरा बनाकर बैठते हैं। खासतौर पर यह त्योहार पंजाबी लोगों का प्रमुख त्योहार माना जाता है। लोहड़ी का त्योहार पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, जम्मू-कश्मीर और हिमाचल में हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है।

लोहड़ी क्यों है खास?

लोहड़ी को पंजाब प्रांत में किसान नव वर्ष के रूप में मनाते हैं। लोहड़ी में रबी की फसलें काटकर घरों में आती हैं और उसका ही जश्न मनाया जाता हैं। किसानों का जीवन इन्हीं फसलों के उत्पादन पर निर्भर करता हैं और जब किसी मौसम के फसलें घरों में आती हैं तो हर्षोल्लास से उत्सव मनाया जाता हैं। लोहड़ी में खासतौर पर इन दिनों गन्ने की फसल बोई जाती हैं और पुरानी फसल काटी जाती हैं। इन दिनों मुली की फसल भी आती हैं और खेतों में सरसों भी आती हैं। इसे ठंड की बिदाई का त्योहार भी माना जाता है।

लोहड़ी है नव वर्ष का त्योहार

लोग इस पर्व को नाचते गाते और हंसी-खुशी से मानते हैं। शाम के समय में आग जला कर उसकी परिक्रमा करते हैं। सभी माताएं अपने छोटे-छोटे बच्चों को गोद में लेकर लोहड़ी की अग्नि की चक्कर लगाती हैं और अग्नि में मूंगफली, रेवड़ी, मेवे, गज्जक, पॉपकॉर्न आदि की आहुति देते हैं। ऐसा माना जाता है कि लोहड़ी के चक्कर लगाने से बच्चे को किसी की नजर नहीं लगती। किसानों द्वारा अपनी नई फसल का आहुति दी जाती है तथा प्रसाद के रूप में सभी लोगों में रेवड़ी, मूंगफली, गज्जक बांटी जाती है।

लोहड़ी मनाने की विधि

इस त्योहार में आग के ढेर पर अनेक वस्तुएं डाली जाती हैं, उनमें तिल, गुड़ और रेवड़ियां प्रमुख होती हैं। कुछ लोग गायत्री मंत्र पढ़कर आहुतियां देते हैं। फिर अग्नि की परिक्रमा करते हैं। सब लोग मिलकर रेवड़ियां खाते हैं और ढोल बजता है भांगड़ा डांस किया जाता है। जिनके घर बच्चे जन्म लिए होते हैं। वहां लोहड़ी का त्योहार बड़े उत्साह से मनाया जाता है।

आज के समय में लोहड़ी

बदलते दौर के साथ लोहड़ी का त्योहार भी आधुनिक हो गया है। पहले के समय में लोग उपहार देने के लिए गुड़ और तिल का इस्तेमाल करते थे। आधुनिक दौर में लोग गुड़ तिल से बनी मिठाइयों की जगह केक और चॉकलेट जैसे उपहार देना शुरू कर दिए हैं। साथ ही वातावरण में बढ़ रहे प्रदूषण के कारण, लोग लोहड़ी मनाते समय पर्यावरण संरक्षण की सुरक्षा के बारे में अत्यधिक जागरूक और बहुत सचेत हो गए हैं। अलाव जलाने के लिए बहुत वृक्ष काटने के बजाय वृक्षारोपण कर के नए तरीके से लोहड़ी के त्योहार का आनंद लेते हैं।

लोहड़ी के गीत का भी है अपना खास महत्व

लोहड़ी में गीतों का बहुत ही बड़ा महत्व है। इन गीतों से लोगों के जहन में एक नई ऊर्जा एवं खुशी की लहर दौड़ जाती है। गीत गाने के साथ-साथ नृत्य करके इस पर्व को मनाया जाता है। इन सांस्कृतिक लोक गीतों में खुशहाल फसलों आदि के बारे में वर्णन किया जाता है।

बहन-बेटियों का त्योहार है लोहड़ी

खेतों में सरसों के फूल लहराते दिखाई देते हैं। वर्ष की सभी ऋतुओं पतझड, सावन और बसंत में कई तरह के छोटे-बड़े त्योहार मनाए जाते हैं, जिन में से एक प्रमुख त्योहार लोहड़ी है जो बसंत के आगमन के साथ पौष महीने की आखरी रात को मनाया जाता है। इसके अगले दिन माघ महीने की सक्रांति को माघी के रूप में मनाया जाता है।

वैसाखी त्योहार की तरह लोहड़ी का सबंध भी पंजाब के गांव, फसल और मौसम से है। इस दिन से मूली और गन्ने की फसल बोई जाती है। इससे पहले रबी की फसल काटकर घर में रख ली जाती है। लोहड़ी के त्योहार को नववधू, बहन, बेटी और बच्चों का उत्सव माना जाता है।

पौराणिक मान्यता अनुसार सती के त्याग के रूप में यह त्योहार मनाया जाता है। कथानुसार जब प्रजापति दक्ष के यज्ञ की आग में कूदकर शिव की पत्नीं सती ने आत्मदाह कर लिया था। उसी दिन की याद में यह पर्व मनाया जाता है। यही कारण है कि इस त्योहार में बहन और बेटियों का बहुत महत्व माना जाता है।

नववधू, बहन, बेटी और बच्चों का उत्सव

पंजाबियों के लिए लोहड़ी उत्सव खास महत्व रखता है। जिस घर में नई शादी हुई हो या बच्चा हुआ हो उन्हें विशेष तौर पर बधाई दी जाती है। प्राय: घर में नव वधू या बच्चे की पहली लोहड़ी बहुत विशेष होती है। इस दिन बड़े प्रेम से बहन और बेटियों को घर बुलाया जाता है।

बच्चों का उत्सव

गांवों में पौष मास के पूर्व से ही लड़के-लड़कियां और बच्चे लोहड़ी के लोकगीत गाकर लकड़ी और उपले एकत्रित करते हैं। इसी से मुहल्ले के किसी खुले स्थान पर आग जलाई जाती है। नव विवाहित लड़के या जिन्हें पुत्र होता है उनके घर से पैसे लेकर अपने क्षेत्र में रेवड़ी बांटते हैं ये काम बच्चे करते हैं। लोहड़ी के दिन या उससे कुछ दिन पूर्व बच्चे मोहमाया या महामाई का चंदा मांगते हैं, इनसे लकड़ी एवं रेवड़ी खरीदकर सामूहिक लोहड़ी में उपयोग में लाते हैं। कहते हैं कि कुछ लड़के दूसरे मुहल्लों में जाकर 'लोहड़ी' से जलती हुई लकड़ी उठाकर अपने मुहल्ले की लोहड़ी में डाल देते हैं। इसे 'लोहड़ी व्याहना' कहलाता है। कई बार इस कार्य में छीना झपटी और झगड़े भी होते हैं। लोहड़ी के दिन विशेष पकवान बनते हैं जिसमें गजक, रेवड़ी, मुंगफली, तिल-गुड़ के लड्डू, मक्का की रोटी और सरसों का साग प्रमुख होते हैं। लोहड़ी से कुछ दिन पहले से ही छोटे बच्चे लोहड़ी के गीत गाकर लोहड़ी हेतु लकड़ियां, मेवे, रेवडियां, मूंगफली इकट्ठा करने लग जाते हैं।

फाइनल हारने के बाद इस स्टार फुटबॉलर ने खोया आपा...

मैदान पर की ऐसी हरकत

नई दिल्ली, एजेंसी। स्पेनिश सुपर कप 2026 का फाइनल 11 जनवरी (रविवार) को बार्सिलोना और रियल मैड्रिड के बीच खेला गया. जेद्दा के किंग अब्दुला स्पोर्ट्स सिटी में हुए फाइनल में बार्सिला ने रियल मैड्रिड को 3-2 से हराकर खिताब पर जमाया. इस मैच खत्म होने के बाद मैदान पर जो दृश्य दिखाई दिया, उसने खेल भावना पर सवाल खड़े कर दिए. इसके केंद्र में रियम मैड्रिड और फ्रांस के स्टार फुटबॉल कीलियन एम्बाप्पे रहे.

मैच समाप्त होने के बाद बार्सिलोना के खिलाड़ी जब मेडल लेने के लिए जा रहे थे, तो बार्सिलोना के खिलाफ लाइन में खड़े होकर रियल मैड्रिड टीम के लिए तालियां बजा रहे थे. लेकिन इसी दौरान कीलियन एमबाप्पे अपने टीममेट्स को संकेत देते हैं कि वो लाइन से हट जाएं और बार्सिलोना के खिलाड़ियों को गॉर्ड ऑफ ऑनर ना दें. वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से फैल गया, और कई फैन्स ने एमबाप्पे पर खेल भावना न दिखाने का आरोप लगाया. रियल मैड्रिड के लिए यह बार्सिलोना के खिलाफ लगातार तीसरी फाइनल हार थी. कीलियन एम्बाप्पे की बॉडी लैंग्वेज में स्पष्ट तौर पर निराशा नजर आई. मैदान पर भी उनका दिन अच्छा नहीं गया. घुटने की चोट की वजह से वह फाइनल खेलने की उम्मीद नहीं थे. लेकिन वह सऊदी अरब यात्रा कर गए और दूसरे हाफ में सब्स्टीट्यूट के रूप में उतरे

बार्सिलोना ने जीता खिताब

रोमांचक फाइनल मुकाबले में रियल मैड्रिड को दी मात

जेद्दा, एजेंसी। बार्सिलोना ने स्पेनिश सुपर कप का खिताब जीत लिया है। किंग अब्दुल्ला स्पोर्ट्स सिटी स्टेडियम में खेले गए एक रोमांचक फाइनल मुकाबले में बार्सिलोना ने रियल मैड्रिड को 3-2 से हराकर खिताब अपने नाम किया। बार्सिलोना के लिए राफिन्हा ने दो गोल किए। इस जीत के साथ बार्सिलोना ने अपना 16वां स्पेनिश सुपर कप खिताब अपने नाम किया। मैच की शुरुआत दोनों टीमों के बीच बराबरी के संघर्ष से हुई, लेकिन जैसे-जैसे पहला हाफ आगे बढ़ा, बार्सिलोना ने खेल पर अपनी पकड़ मजबूत की। 36वें मिनट में

राफिन्हा ने बॉक्स में शानदार मूव बनाते हुए दूर कोने में नीचा शॉट लगाकर बार्सिलोना को बढ़त दिला दी। रियल मैड्रिड ने तुरंत जवाब दिया। पहले हाफ के स्टॉपेज टाइम के दूसरे मिनट में विनीसियस जूनियर ने हाफवे लाइन के पास गेंद हासिल की, वे तेजी से आगे बढ़े और दो डिफेंडरों को छकाते हुए एक बेहतरीन सोलो रन के बाद गोल करते हुए स्कोर 1-1 कर दिया।पहले हाफ का रोमांच यहीं नहीं रुका। दो मिनट बाद रॉबर्ट लेवांडोव्स्की को पेनल्टी एरिया में जगह मिली और उन्होंने शानदार चिप के जरिए बार्सिलोना को फिर से बढ़त दिला दी, लेकिन इंटरवल से ठीक पहले रियल मैड्रिड ने एक बार फिर बराबरी हासिल कर ली।

डब्ल्यूपीएल 2026 में पहली हैट्रिक

आखिरी ओवर में 24 साल की बॉलर ने झटके 4 विकेट

नई दिल्ली, एजेंसी। महिला प्रीमियर लीग 2026 के चौथे मैच में दिल्ली कैपिटल्स और गुजरात जायंट्स की टीमों का आमना-सामना नवी मुंबई के ष्ठड्ड पाटिल स्टेडियम में हुआ. इस मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स की एक गेंदबाजी और से ऐतिहासिक ओवर देखने को मिली. इस खिलाड़ी ने सीजन की पहली हैट्रिक अपने नाम की. हैट्रिक के साथ-साथ इस गेंदबाज ने ओवर में 4 विकेट लेने का कारनामा भी किया.

हैट्रिक लेने पर क्या बोली नंदिनी शर्मा?

नंदिनी शर्मा ने हैट्रिक लेने के बाद कहा, 'मेरा पूरा ध्यान सिर्फ अपने लक्ष्य पर गेंदबाजी करने पर था. शेफाली और जेमिमा हर गेंद से पहले मुझसे बात कर रही थीं, और योजना सीधी-सादी थी, स्टंप्स पर आक्रमण करना. मुझे हैट्रिक की उम्मीद नहीं थी, लेकिन टीम लगातार कह रही थी कि विकेट जरूर मिलेंगे.

24 साल की बॉलर ने ली हैट्रिक

इस मुकाबले में दिल्ली की युवा तेज गेंदबाज नंदिनी शर्मा ने हैट्रिक हासिल की. 24 साल की चंडीगढ़ की अनकैप्ड मीडियम पेसर नंदिनी ने सिर्फ चार ओवर में 5 विकेट चटकाए और 33 रन ही खर्च किए. इस दौरान उन्होंने पारी के आखिरी ओवर में कमाल कर दिया. उन्होंने इस ओवर में कुल चार विकेट लिए, जिसमें आखिरी तीन गेंदों पर हैट्रिक पूरी की. नंदिनी शर्मा ने कनिका अहूजा, राजेश्वरी गायकवाड़ और रेणुका सिंह को आउट करके अपनी हैट्रिक पूरी की. इससे पहले उन्होंने एश्ले गार्डनर और कशवी गौतम को भी अपना शिकार बनाया.

डब्ल्यूपीएल

सोफी डिवाइन ने रचा इतिहास, एक ही ओवर में 4 4 6 6 6 बनाए 32 रन

नवी मुंबई, एजेंसी। गुजरात जायंट्स की सलामी बल्लेबाज सोफी डिवाइन ने विमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2026 में रविवार को एक ही ओवर में 6 बाउंड्री लगाई। डिवाइन ने यह कारनामा डीवाई पाटिल स्पोर्ट्स एकेडमी में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ किया। दिल्ली कैपिटल्स ने टॉस जीतकर गुजरात जायंट्स को पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया। सलामी जोड़ी के रूप में बेथ मूनी और सोफी डिवाइन ने गुजरात को शानदार शुरुआत दिलाई। गुजरात जायंट्स की टीम 5 ओवरों तक बगैर कोई विकेट गंवाए 48 रन बना लिए थे। पारी का छठा ओवर स्नेह राणा के हाथों में था। उनकी पहली गेंद पर सोफी डिवाइन ने डीप स्क्वायर लेग की दिशा में चौका लगाकर टीम के 50 रन पूरे किए। इसके बाद अगली गेंद पर डिवाइन ने चौका लगाया और फिर ओवर की तीसरी गेंद पर लॉन्ग ऑन के ऊपर से छक्का लगा दिया। चौथी गेंद पर डिवाइन ने डीप मिड विकेट की दिशा में छक्का लगाकर महज 25 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया। अगली दो गेंदों पर उन्होंने डीप मिड विकेट और डीप स्क्वायर लेग की दिशा में छक्के लगाए। स्नेह राणा के इस ओवर में गुजरात जायंट्स ने कुल 32 रन बनाकर स्कोर को 80 रन तक पहुंचा दिया। यह विमेंस प्रीमियर लीग के इतिहास का सबसे महंगा ओवर रहा। दीप्ति शर्मा ने साल 2025 में यूपी वॉरियर्स की ओर से खेलते हुए आरसीबी के खिलाफ एक ही ओवर में 28 रन लुटाए थे।

रोहित शर्मा ने क्रिस गेल को पीछे छोड़ा

वनडे में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले ओपनर बने

वडोदरा, एजेंसी। भारत के करिश्माई बल्लेबाज रोहित शर्मा ने रविवार को इतिहास रच दिया। वह वनडे क्रिकेट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले ओपनर बन गए। उन्होंने यह उपलब्धि बड़ौदा क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज के पहले वनडे मैच में हासिल की। रोहित ने 301 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए कप्तान शुभमन गिल के साथ पारी की शुरुआत की। धीमी शुरुआत के बाद 38 वर्षीय खिलाड़ी ने छठे ओवर में बेन फॉक्स के खिलाफ पहला छक्का लगाया। पूर्व कप्तान ने अगले ओवर में भी अपनी लय जारी रखी और काइल जैमीसन की बैक-ऑफ-ए-लेंथ गेंद को स्टैंड्स में भेज दिया। इसके साथ ही रोहित ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 650 छक्के भी पूरे कर लिए और यह उपलब्धि हासिल करने वाले पहले खिलाड़ी बन गए। रोहित अपनी अच्छी शुरुआत को बड़ी पारी में नहीं बदल पाए और 9वें ओवर में काइल जैमीसन की गेंद पर आउट हो गए। उन्होंने 29 गेंदों में 26 रन बनाए, जिसमें तीन चौके और दो छक्के शामिल थे। रोहित ने अब वनडे में ओपनर के तौर पर 329 छक्के लगाए हैं जिससे उन्होंने वेस्टइंडीज के महान क्रिस गेल को पीछे छोड़ दिया है, जिनके नाम 328 छक्के हैं। भारतीय स्टार ने पिछले साल दक्षिण अफ्रीका सीरीज के दौरान वनडे क्रिकेट में सबसे ज्यादा छक्कों का शाहिद अफरीदी का रिकॉर्ड पहले ही तोड़ दिया था। रोहित पिछले साल भी शानदार फॉर्म में थे। इस दाएं हाथ के बल्लेबाज़ ने 14 वनडे पारियों में उतने ही मैचों में 650 रन बनाए, जिसमें एक बार नॉट आउट रहे। उनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ स्कोर 121 नॉट आउट था। वह फिलहाल ICC रैंकिंग में नंबर एक बल्लेबाज हैं।

दिग्गज ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर ने बाबर आजम को किया प्रपोज

नई दिल्ली, एजेंसी। सोशल मीडिया पर इन दिनों एक तस्वीर ने जबरदस्त हलचल मचा रखी है, जिसमें दावा किया जा रहा है कि ऑस्ट्रेलिया की दिग्गज क्रिकेटर एलिस पेरी ने पाकिस्तान के स्टार बल्लेबाज़ बाबर आज़म को सबके सामने प्रपोज़ किया। तस्वीर देखते ही देखते वायरल हो गई और खासकर पाकिस्तानी फैंस के बीच इसे लेकर जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। लेकिन इंटरनेट पर वायरल हर चीज़ सच नहीं होती। सवाल यही है क्या यह तस्वीर असली है या फिर एक और डिजिटल भ्रम?

वायरल फोटो में क्या दिखाया गया?

तेज़ी से फैल रही तस्वीर में एलिस पेरी को घुटनों के बल बैठा दिखाया गया है, उनके हाथ में अंगूठी है और सामने खड़े बाबर आज़म मुस्कुराते हुए उन्हें देख रहे हैं। बैकग्राउंड में लाइव दर्शकों की भीड़ दिखाई देती है, जिससे यह आभास होता है कि यह कोई सार्वजनिक इवेंट है। इस तस्वीर को पोस्ट किए जाने के कुछ ही घंटों में लाखों व्यूज और शेयर मिल गए, और फैंस दोनों खिलाड़ियों के बीच कथित रिश्ते को लेकर तरह-तरह की अटकलें लगाने लगे।

फैंस क्यों हो गए थे इतने उत्साहित?- एलिस पेरी और बाबर आजम दोनों ही अपने-अपने देश के सबसे लोकप्रिय और सम्मानित क्रिकेटर्स हैं। दोनों की फैन फॉलोइंग दुनिया भर में फैली हुई है।

सुंदर-कृष्णा बाहर, इन दो खिलाड़ियों की एंट्री

न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे वनडे के लिए भारत की संभावित प्लेइंग 11

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने वडोदरा में न्यूजीलैंड को पहले वनडे में 4 विकेट से हराकर 3 मैचों की वनडे सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली और अब दोनों टीमों के बीच दूसरा वनडे मैच बुधवार को राजकोट में खेला जाएगा। भारतीय ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर चोटिल होकर वनडे सीरीज से बाहर हो चुके हैं और ये टीम इंडिया के लिए बड़ी परेशानी है। सुंदर के बाहर होने के बाद राजकोट में भारतीय प्लेइंग इलेवन के चयन पर टीम मैनेजमेंट को काफी माथापच्ची करनी होगी। राजकोट की पिच को बल्लेबाजों का स्वर्ग माना जाता है और यहां पर खूब रन बनते हैं। यहां तेज गेंदबाजों को शुरुआत में थोड़ी मदद मिल सकती है, लेकिन जैसे-जैसे मैच आगे बढ़ता है यह पूरी तरह बल्लेबाजों के अनुकूल हो जाती है। इसके अलावा मैच के दूसरे हाफ में स्पिनरों को थोड़ी ग्रिप और टर्न मिल सकती है, लेकिन सपाट पिच पर उन्हें भी अपनी लाइन-लेंथ को काफी सटीक रखना होगा। राजकोट की परिस्थिति को देखते हुए भारतीय टीम दूसरे वनडे के लिए अपनी प्लेइंग इलेवन में दो बदलाव कर सकती है। सुंदर की जगह टीम में नितीश रेड्डी को जगह दी जा सकती है जो निचले क्रम पर बैटिंग कर सकते हैं साथ ही साथ वो तेज गेंदबाजी विकल्प भी उपलब्ध करवाते हैं। टीम में दूसरा बदलाव प्रसिद्ध कृष्णा के रूप में किया जा सकता है जो पहले मैच में ज्यादा प्रभावशाली नहीं रहे थे। खासतौर पर कृष्णा डेथ ओवर्स में खूब पिटे थे जिसकी वजह से न्यूजीलैंड का का स्कोर 300 तक पहुंच गया था।

Chess: वेस्ली सो ने टाटा स्टील शतरंज इंडिया ब्लिट्ज़ ओपन का खिताब जीता, निहाल सरीन रहे उपविजेता

नई दिल्ली, एजेंसी। ओपन वर्ग में वेस्ली सो ने 12 अंक के साथ खिताब अपने नाम किया जबकि सरीन के नाम 11 अंक रहे। भारत के ही अर्जुन एरिगेसी 11 अंक के साथ तीसरे स्थान पर रहे। वेस्ली सो ने भारत के विदित गुजराती को हराया। अमेरिकी ग्रैंडमास्टर वेस्ली सो ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एक दौर का खेल शेष रहते टाटा स्टील शतरंज इंडिया ब्लिट्ज़ ओपन का ओपन वर्ग का खिताब जीत लिया जबकि रविवार को यहां भारत के निहाल सरीन उप विजेता रहे। महिला वर्ग में अमेरिका की कारिसा यिप ने रोमांचक प्ले ऑफ में खिताब जीता। भारत की वंतिका अग्रवाल उप विजेता रहीं। ओपन वर्ग में वेस्ली सो ने 12 अंक के साथ खिताब अपने नाम किया जबकि सरीन के नाम 11 अंक रहे। भारत के ही अर्जुन एरिगेसी 11 अंक के साथ तीसरे स्थान पर रहे। वेस्ली सो ने भारत के विदित गुजराती को हराया। वेई यी ने भारत के दिग्गज खिलाड़ी विश्वनाथन आनंद को शिकस्त दी जो आठ अंक के साथ आठवें स्थान पर रहे। भारत के आर प्रज्ञानंद ने हेन्स नीमैन को हराया। सरीन ने भी अहम मुकाबले में आनंद को हराया जबकि वेस्ली सो ने वेई यी को बराबरी पर रोका।

मैनेजमेंट मुझे ऑलराउंडर बनाना चाहता है

वडोदरा, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम ने रविवार को वडोदरा में न्यूजीलैंड के खिलाफ हुए पहले वनडे मैच को 4 विकेट से जीता। भारत की जीत में हर्षित राणा ने गेंद और बल्ले से अहम भूमिका निभाई। मैच के बाद हर्षित राणा ने कहा कि टीम मैनेजमेंट ने उन्हें अपनी बल्लेबाजी पर ध्यान देने को कहा है ताकि जरूरत पर कुछ रन बना सकें। हर्षित राणा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, भारतीय टीम मैनेजमेंट उन्हें वनडे में एक भरोसेमंद ऑलराउंडर के रूप में तैयार कर रहा है। गेंद से विकेट निकालने के साथ ही निचले क्रम में बल्लेबाजी करते हुए रन बनाने पर भी जोर दिया जा रहा है। रोल की स्पष्टता और सीनियर खिलाड़ियों के भरोसे ने उनके आत्मविश्वास को काफी बढ़ाया है। जब उन्हें बल्लेबाजी के लिए भेजा गया, तो टीम के साथियों से मिला भरोसा उनके लिए सबसे बड़ा सहारा साबित हुआ। राणा ने कहा, 'टीम मैनेजमेंट मुझे एक ऑलराउंडर के तौर पर तैयार करना चाहता है, और मेरा काम है कि मैं लगातार उस पर मेहनत करता रहूं। मैं नेट्स में बल्लेबाजी पर भी काफी काम कर रहा हूं। टीम की योजना मुझे नंबर आठ के आसपास बल्लेबाजी कराने की है।'

न्यूजीलैंड के दिए 301 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम विराट कोहली और श्रेयस अय्यर के बीच तीसरे विकेट के लिए हुई 77 रन की मजबूत साझेदारी की बदौलत मजबूत दिख रही थी, लेकिन विराट, जडेजा और अय्यर का विकेट जल्दी गिरने के बाद भारत पर दबाव आया। जडेजा के आउट होने के बाद वाशिंगटन सुंदर के होने के बावजूद हर्षित राणा को नंबर सात पर भेजा गया।

बेटे ने तोड़े पिता के ही 3 रिकॉर्ड

साथ में बैटिंग कर मचाया तहलका, क्रिकेट इतिहास में पहली बार...

नई दिल्ली, एजेंसी। कहते हैं जैसा बाप, वैसा बेटा. लेकिन, तब क्या हो जब बेटा अपने पिता से भी आगे निकल जाए? वो पल एक पिता के लिए गर्व का होता है. कुछ वैसे ही गर्व का एहसास अपने बेटे हसन ईसाखिल के साथ बल्लेबाजी कर मोहम्मद नबी को भी हुआ होगा. अफगानिस्तान के इस बाप-बेटे की जोड़ी ने बांग्लादेश प्रीमियर लीग में 11 जनवरी को नोआखाली एक्सप्रेस और ढाका कैपिटल्स के बीच खेले मुकाबले में साथ में बैटिंग की. बाप-बेटे के साथ में बैटिंग करने की क्रिकेट इतिहास में घटी ये पहली घटना रही है. लेकिन, उससे भी मजेदार रहा ये देखना कि बेटे ने पिता के बनाए रिकॉर्ड ही तोड़ डाले.

धड़ाधड़ गिरे विकेट तो बेटे ने बाप के साथ संभाली पारी- मोहम्मद नबी और उनके बेटे हसन ईसाखिल BPL में नोअखिल एक्सप्रेस टीम का हिस्सा है. ढाका कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबले में नोआखाली एक्सप्रेस ने पहले बल्लेबाजी की. ओपनिंग पर हसन इसाखिल उतरे, जिन्होंने सौम्य सरकार के साथ मिलकर ओपनिंग विकेट के लिए 9.2 ओवर में 101 रन जोड़े. सौम्य सरकार 48 रन बनाकर आउट हुए. उनके बाद दो और बल्लेबाज शहादत हुसैन औक हबीबुर भी जल्दी ही निपट गए. ऐसे में एक छोर संभाले खड़े हसन इसाखिल को साथ मिला अपने पिता मोहम्मद नबी का.

बाप-बेटे ने की रिकॉर्डतोड़ बैटिंग, पहली बार हुआ ऐसा- बाप-बेटे के साथ में बैटिंग करने वाला वो पल ऐतिहासिक था. साथ में रिकॉर्डतोड़ भी. नबी ने अपने बेटे हसन के साथ मिलकर 53 रन की पार्टनरशिप की, जो कि टी20 में चौथे विकेट के लिए नोआखाली एक्सप्रेस की तरफ से हुई अब तक सबसे बड़ी साझेदारी का नया रिकॉर्ड रहा. इससे पहले चौथे विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी नोआखाली एक्सप्रेस की ओर से 32 रन की हुई थी.

बेटे हसन ने तोड़े कई रिकॉर्ड, 3 पिता नबी से जुड़े रहे

ये तो वो रिकॉर्ड रहा, जो बाप-बेटे ने साथ मिलकर बनाया. अब जरा उन रिकॉर्डों पर भी गौर कर लें, जो बेटे ने अकेले तोड़े हैं और जिसमें से कुछ पिता के भी रहे हैं. ओपनिंग पर उतरे हसन ईसाखिल ने 60 गेंदों का सामना कर 92 रन बनाए, जिसमें 5 छक्के और 7 चौके शामिल रहे. ये टी20 में नोआखाली एक्सप्रेस के किसी भी बल्लेबाज के बल्ले से निकली सबसे बड़ी पारी है. इस मामले में नबी के बेटे ने महीदुल इस्लाम अनकोन के 61 रनों का रिकॉर्ड तोड़ा है. हसन ईसाखिल ने अपनी इनिंग को दौरान सौम्य सरकार के साथ 101 रन की जो पार्टनरशिप की, वो नोआखाली एक्सप्रेस के लिए किसी भी विकेट के लिए हुई सबसे बड़ी साझेदारी रही. पहले ये रिकॉर्ड 90 रन का था, जो कि हसन के पिता मोहम्मद नबी ने हैदर अली के साथ मिलकर BPL में बनाया था. 92 रन की अपनी इनिंग के दौरान हसन, नोआखाली एक्सप्रेस के लिए ञ्20 की एक पारी में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बने. इस मामले में उन्होंने अपने पिता समेत 3 बल्लेबाजों का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 3-3 छक्के जड़े थे. हसन ईसाखिल ने अपनी इनिंग में छक्के और चौके से 58 रन बनाए. ये टी20 की एक पारी में नोआखाली एक्सप्रेस के लिए बाउंड्रीज से बने सबसे ज्यादा रन है. इस मामले में पहले ये रिकॉर्ड सौम्य सरकार के नाम था, जिन्होंने 42 रन जड़े थे.

न्यूज डायरी

शीतलहर व ठंड से बचाव के लिए जिलावासी बरतें विशेष सावधानी

हिन्द जनपथ

पंचकूला (ब्यूरो)। उपायुक्त श्री सतपाल शर्मा ने शीत लहर के चलते शीत-घात से बचाव को लेकर जिला प्रशासन ने सरकार के निर्देशानुसार विशेष एडवाइजरी जारी की है।

उपायुक्त ने आम नागरिकों से शीतलहर व सर्दी से बचाव के लिए विशेष सावधानी बरतने की अपील भी की है। उन्होंने कहा कि इन दिनों शीतलहर चल रही है। इसी के मद्देनजर हम सावधानी बरतकर शीत घात से बच सकते हैं। शीतलहर से बचाव के लिए इन बातों की पालना जरूर करें।

उन्होंने कहा कि शीत-घात से बचने के लिए मौसम पूर्वानुमान के लिए रेडियो/टीवी/समाचार पत्रों से मौसम संबंधित जानकारी लेते रहे। सर्दियों लिए पर्याप्त कपड़ों का स्टॉक करें। घर में ठंडी हवा के प्रवेश रोकने के लिए दरवाजों तथा खिड़कियों को ठीक से बंद रखें। फ्लू, नॉक बहना जैसी विभिन्न बीमारियों की संभावना आमतौर पर ठंड में लंबे समय तक संपर्क में रहने के कारण होती हैं। इसलिए स्थानीय स्वास्थ्य कर्मियों या डॉक्टर से परामर्श करें।

उपायुक्त ने कहा कि जितना हो सके घर के अंदर रहें और ठंडी हवा, बारिश, बर्फ के संपर्क में आने से बचे। गर्म कपड़े पहनें। तंग कपडे खून के बहाव को रोकते हैं, इनसे बचें। शरीर की गरमाहट बनाये रखने हेतु अपने सिर, गर्दन, हाथ और पैर की उंगलियों को पर्याप्त रूप से ढककर रखें। हाथों में दस्ताने रखें। सिर पर टोपी या मफलर पहने, स्वास्थ्य वर्धक भोजन लें। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार पर्याप्त रोग प्रतिरोधक क्षमता बनाए रखने के लिए विटामिन सी से भरपूर फल और सब्जियां खाएं। गर्म तरल पदार्थ नियमित रूप से पीएं, इससे ठंड से लडऩे के लिए शरीर की गर्मी बनी रहेगी।

उन्होंने बुजुर्ग लोगों, नवजात शिशुओं तथा बच्चों का विशेष ध्यान रखने की सलाह दी और कहा कि ऐसे पडोसी जो अकेले रहते हैं, विशेषकर बुजुर्ग लोगों का हाल चाल पूछते रहें। जरूरत के अनुसार ही रूम हीटर का प्रयोग करें, लेकिन रूम हीटर के प्रयोग के दौरान पर्याप्त हवा निकासी का प्रबंध रखें। बंद कमरों में कोयले को जलाना खतरनाक हो सकता है। क्योंकि यह कार्बन मोनोऑक्साइड जैसी जहरीली गैस पैदा करती है।

उपायुक्त ने रोडवेज बसों के सूरजपुर बस स्टाप पर न रूकने की शिकायत का लिया संज्ञान, दो दिन में रिपोर्ट प्रस्तुत करने के दिए निर्देश

हिन्द जनपथ

पंचकूला (ब्यूरो)। उपायुक्त श्री सतपाल शर्मा ने लघु सचिवालय के सभागार में आज हरियाणा सरकार द्वारा निर्देशित समाधान शिविर में जिला के लोगों की समस्याएं सुनी और मौके पर संबंधित विभाग को समस्याओं का जल्द से जल्द समाधान करने के निर्देश दिए।

उपायुक्त ने समाधान शिविर में भारतभूषण द्वारा हरियाणा रोडवेज की बसें सूरजपुर व आसपास के अन्य बस स्टाप पर न रूकने की शिकायत का संज्ञान लेते हुए संबंधित कर्मचारी को इस संबंध में बुधवार को नगराधीश को विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

उपायुक्त ने ब्लाक रायपुरानी के गांव मानक टाबरा में कृषि भूमि में पानी की निकासी की मांग को लेकर पीडब्लयूडी के संबंधित अधिकारी को मौके का मुआयना कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

उपायुक्त ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि समाधान शिविर में आई शिकायतों को प्राथमिकता के आधार पर बिना विलम्ब किए समाधान करें ताकि जिलावासियों को समय पर योजनाओं का लाभ मिल सके व उनकी समस्याओं का समाधान हो सके।

उपायुक्त ने बताया कि समाधान शिविर का आयोजन मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के निर्देशानुसार हर कार्यदिवस के दिन सोमवार व वीरवार को प्रात 10 बजे से 12 बजे तक किया जाता है। उन्होंने अधिकारियों को सचेत करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री स्वयं समाधान शिविर से जुडते हैं व लोगों की समस्याओं पर किए गए समाधान की स्वयं मोनिटरिंग करते है। इसलिए समस्याओं के समाधान में अधिकारी किसी प्रकार की कोताही न बरतें।

इस अवसर पर नगराधीश जागृति, सीएम विंडो के एमिनेंट पर्सन जसमेर सिंह बंजारा, सत्यवान भारद्वाज, कमलदीप, विपिन लिडडू, नीरज चैधरी, जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, लोक निर्माण विभाग, एचएसवीपी, पीएमडीए, पुलिस, स्वास्थ्य, सिंचाई, नगर निगम और अन्य विभागों के संबंधित अधिकारी मौजूद थे।

विधवा महिलाओं को स्वावलंबी बनाने के उद्देश्य से बैंको के माध्यम से 3 लाख रुपये तक की ऋण सुविधा करवाई जा रही है उपलब्ध

हिन्द जनपथ

पंचकूला (ब्यूरो)। उपायुक्त श्री सतपाल शर्मा ने बताया कि विधवा महिलाओं को स्वावलम्बी बनाने के लिए हरियाणा महिला विकास निगम द्वारा व्यक्तिगत कारोबार स्थापित करने हेतु बैकों के माध्यम से 3 लाख रुपये तक के ऋण दिलवाने की योजना शुरु की है। इस योजना के अंतर्गत जिला के लिये 20 केसों का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

उपायुक्त ने बताया कि योजना के अन्तर्गत जिन महिलाओं की वार्षिक आय 3 लाख रुपये तक तथा आयु 18 से 60 वर्ष है, इस स्कीम की पात्र होंगी।

योजना के बारे में जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि कुल ऋण का 10 प्रतिशत हिस्सा महिला को स्वंय वहन करना होगा तथा शेष राशि बैकों के माध्यम से दी जाएगी। बैंक ऋण के ऊपर लगे ब्याज की प्रतिपूर्ति हरियाणा महिला विकास निगम द्वारा सब्सिडी के रुप में अदा की जाएगी, जिसकी अधिकतम सीमा 50,000 रुपये व अवधि 3 वर्ष जो भी पहले होगी।

उन्होंने बताया कि विभिन्न क्रियाकलापों जैसे कि बुटिक, सिलाई-कढ़ाई, आटो, ई-रिक्शा, मसाला, आचार इकाइया, खाद्य प्रसंस्करण, कैरी बैग का निर्माण, बेकरी, रेडीमेंट्स गारमेंटस, कम्पयूटर जांच वक्र्स इत्यादि तथा अन्य किसी भी कार्य जिसको महिलाएं करने में सक्षम हो, उन सभी कार्यो के लिए ऋण देने से पूर्व ट्रेनिंग भी करवाई जाएगी ताकि महिला को अपने कारोबार या लघु उघोग स्थापित करने में कार्य कुशलता की कमी महसूस न हो।

उन्होंने बताया कि अधिक जानकारी के लिये निगम के कार्यालय जिला प्रबन्धक हरियाणा महिला विकास निगम, कमरा न0 52, तीसरी मंजिल, नई बिल्डिग, मिनी सचिवालय सैक्टर-1 पंचकूला, फोन न0 0172-2585271 पर सम्पर्क कर सकते हैं।

अच्छे कंटेंट के लिए सही माध्यम का चयन आवश्यक:अनिल कुमार

नागरिक पत्रकारिता लोकतंत्र की रीढ़:हरेश वशिष्ठ

हिन्द जनपथ

पंचकूला (ब्यूरो)। विश्व संवाद केंद्र द्वारा स्वामी विवेकानंद जयंती के उपलक्ष्य में नागरिक पत्रकारिता प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में हरियाणा, पंजाब, चंडीगढ़, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं संस्थानों से आए प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यशाला का विषय "राष्ट्र निर्माण में नागरिक पत्रकारिता की भूमिका" रहा। पंचकूला सेक्टर चार माधव कुंज के कांफ्रेंस हाल में आयोजित कार्यक्रम में युवाओं की उल्लेखनीय उपस्थिति ने यह संकेत दिया कि पत्रकारिता अब केवल पेशा नहीं, बल्कि सामाजिक दायित्व के रूप में उभर रही है।

- पर्यावरण से जुड़े विषयों को उठाने के लिए आज अनेक तकनीकी साधन उपलब्ध:साईं वैद्यनाथन
- व्यूज, लाइक और शेयर की रेस से बाहर निकलें: पंकज पम्मू
- सूचना नहीं, सच्चाई की कमी है पत्रकारिता की असली चुनौती:राजेश शांडिल्य

कार्यशाला को संबोधित करते हुए उत्तर क्षेत्र के प्रचार प्रमुख अनिल कुमार ने कहा कि अच्छा और प्रभावी कंटेंट स्वतः नहीं मिलता, इसके लिए सही माध्यमों का चयन आवश्यक है। उन्होंने बताया कि कंटेंट लेखन में केवल सूचना नहीं, बल्कि उसका संदेश, दृष्टिकोण और सामाजिक प्रभाव महत्वपूर्ण होता है। उन्होंने एक्सपोज करने वाले कंटेंट, आख्यान निर्माण (नैरेटिव बिल्डिंग) और तथ्यों को प्रस्तुत करने के तरीके पर उदाहरणों सहित बताया कि कैसे एक ही तथ्य अलग प्रस्तुति में अलग प्रभाव पैदा करता है।

अनिल कुमार ने स्वामी विवेकानंद के आदर्श विचारों का उल्लेख करते हुए जातिगत भेदभाव के उन्मूलन, पर्यावरण संरक्षण, परिवार प्रबोधन और "स्व" के भाव पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने भाषा, भूषा, भोजन और भ्रमण में स्वदेशी और आत्मबोध की भावना को अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने बताया कि यह प्रशिक्षण कार्यशाला मॉड्यूल-वन का हिस्सा है, जिसके बाद मॉड्यूल-टू और मॉड्यूल-श्री आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने नागरिक कर्तव्यों को समझने और उन्हें पत्रकारिता के माध्यम से समाज तक पहुंचाने पर जोर दिया।

दैनिक ट्रिब्यून के पूर्व समाचार संपादक हरेश वशिष्ठ ने कहा कि नागरिक पत्रकारिता लोकतंत्र की रीढ़ है। भारतीय संविधान द्वारा प्रदत्त अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के तहत नागरिक पत्रकारिता आज लोकतंत्र के एक मजबूत स्तंभ के रूप में उभर रही है। तकनीक के विकास के साथ पत्रकारिता आम नागरिक के हाथों तक पहुंच चुकी है और अब यह बड़े मीडिया घरानों की चारदीवारी तक सीमित नहीं रही। उन्होंने कहा कि कोविड-19 महामारी, स्थानीय स्तर पर भ्रष्टाचार, विकास की अनदेखी जैसे मुद्दों पर नागरिक पत्रकारों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है, क्योंकि कई बार परंपरागत मीडिया इन मुद्दों तक पहुंच नहीं पाता या उन्हें पर्याप्त स्थान नहीं देता।

द ट्रिब्यून के मुख्य उप संपादक एवं साहित्यकार पी. साईं वैद्यनाथन ने पर्यावरण परिवर्तन के विषय पर युवाओं को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण के अनुकूल जीवनशैली सनातन धर्म की मूल शिक्षा है। सनातन परंपरा में प्रकृति संरक्षण के अनेक उदाहरण देते हुए उन्होंने बताया कि नागरिक पत्रकारिता में पर्यावरण से जुड़े विषयों को उठाने के लिए आज अनेक तकनीकी साधन उपलब्ध हैं। इसके बाद सनातन धर्म और पर्यावरण पर आधारित एक रुचिकर प्रश्नोत्तर सत्र भी हुआ।

विख्यात आरजे एवं कथाकार पंकज पम्मू ने कहा कि आज मोबाइल फोन के चलते हर व्यक्ति खुद को पत्रकार समझने लगा है, लेकिन स्मार्ट सिटीजन होने के नाते यह हमारी नैतिक जिम्मेदारी है कि हम जो भी कंटेंट लिखें, रिकॉर्ड करें या साझा करें, वह जिम्मेदारी के साथ हो। उन्होंने युवाओं से व्यूज, लाइक और शेयर की रेस से बाहर निकलने का आह्वान करते हुए कहा कि बेहतर और सार्थक कंटेंट को देर-सवेर समाज की स्वीकृति अवश्य मिलती है।

विश्व संवाद केंद्र हरियाणा के संपादक राजेश शांडिल्य ने कहा कि नागरिक पत्रकारिता केवल मोबाइल उठाकर खबरें परोसने तक सीमित नहीं, सच्चाई से जिम्मेदारी उठाने का काम है। आज सूचना की नहीं, बल्कि सच्चाई से पत्रकारिता करने वालों की कमी सबसे बड़ी चुनौती है। निडरता, सत्यनिष्ठा और दायित्वबोध के बिना खबर समाज को दिशा नहीं, केवल शोर पैदा करेगी। पत्रकारिता का उद्देश्य राष्ट्रहित के मुद्दे सामने लाना और समाज के समक्ष सच लाना होना चाहिए। ऐसी जिम्मेदार पत्रकारिता ही समाज में विश्वास कायम कर बेहतर और जागरूक समाज के निर्माण में अपनी प्रभावी भूमिका निभा सकती है।

कार्यशाला संयोजक एवं चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी पत्रकारिता विभाग के एसोसिएट प्रो. डा.विनोद सोनी ने कार्यक्रम आए हुए अतिथियों का आभार जताने के साथ पत्रकारिता के क्षेत्र में कार्य करने के इच्छुक विद्यार्थियों के स्वर्णिम भविष्य की कामना की।इस अवसर विश्व संवाद केंद्र सचिव राजेश कुमार,पत्रकारिता विभाग के सहायक डा.तपेश किरण,चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर डा.रंजन वालिया, महाराजा अग्रसेन यूनिवर्सिटी बद्दी (हिमाचल) के सहायक प्रो. डा.रवि मिश्रा कार्यशाला में प्रतिभागियों ने सक्रिय सहभागिता की और नागरिक पत्रकारिता को समाज व राष्ट्र निर्माण का सशक्त माध्यम बनाने का संकल्प लिया।कार्यक्रम के समापन सत्र में कार्यशाला के प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरण किये गये।

उत्तराखंड भ्रातृ संगठन ने 'नेकी की दीवार' से ठंड में जलाई इंसानियत की लौ

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। जब कड़ाके की ठंड में जिंदगी सबसे ज़्यादा मुश्किल होती है, तब इंसानियत की गर्माहट सबसे ज़्यादा ज़रूरी होती है। इसी भावना को साकार करते हुए उत्तराखंड भ्रातृ संगठन, दरिया, चण्डीगढ़ ने रेलवे स्टेशन के सामने 'नेकी की दीवार' का भव्य आयोजन कर सैकड़ों जरूरतमंदों के चेहरे पर मुस्कान बिखेरी। संगठन के प्रेस सचिव कुलदीप धस्माना ने बताया कि इस सेवा अभियान के अंतर्गत लगभग 250 जरूरतमंद लोगों को कंबल, गर्म कपड़े, जूते-चप्पल और लंगर वितरित किया गया। इस अवसर पर नववर्ष कैलेंडर का भी विमोचन किया गया।

कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि अनिल कुमार दुबे (पूर्व डिप्टी मेयर) एवं बिमला दूबे (पार्षद, वार्ड-9, दरिया) द्वारा किया गया, जिन्होंने संगठन के इस सेवा कार्य की मुक्तकंठ से सराहना की। कार्यक्रम में गढ़वाल सभा, चण्डीगढ़ के प्रधान शंकर सिंह पंवार, गढ़वाल सभा पंचकूला के प्रधान हरीश बर्थवाल, गुरप्रीत सिंह हैप्पी (पूर्व सरपंच), बलजीत सिंह सिद्धू, राजे सिंह रावत, अनुराग वर्मा, भूपेंद्र शर्मा, जे.पी. राणा सहित उत्तराखंड व ट्राई-सिटी की अनेक सामाजिक संस्थाओं के गणमान्य लोगों ने उपस्थित रहकर इस मुहिम को और शक्ति दी।

संगठन के प्रधान सुनील पंत ने कहा कि अगर हर व्यक्ति थोड़ा-सा भी नेकी का भाव रख ले, तो कोई भी गरीब इस देश में बेसहारा नहीं रहेगा।

हरियाणा 112 ने सुरक्षा सेवाओं में नया कीर्तिमान स्थापित किया: दिसंबर 2025 तक 2.75 करोड़ कॉलस हुई प्राप्त, रेस्पॉन्स टाइम 9 मिनट 33 सेकंड सेवा की व्यापक पहुँच और जनता का बढ़ता भरोसा

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा की आपातकालीन सेवा हरियाणा 112 – ईआरएसएस ने वर्ष 2025 में राज्य में सुरक्षा और राहत सेवाओं की दिशा में एक मील का पत्थर स्थापित किया है। 12 जुलाई 2021 को लॉन्च किए गए इस एकीकृत हेल्पलाइन प्लेटफॉर्म ने चार वर्षों में अपनी पहुँच और विश्वसनीयता दोनों में अत्यधिक वृद्धि की है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार 31 दिसंबर 2025 तक इस प्रणाली पर 2.75 करोड़ से अधिक कॉल दर्ज हुई। यह आँकड़ा दर्शाता है कि नागरिक अब हर आपातकालीन स्थिति में सबसे पहले '112' को ही सहायता के लिए याद करते हैं। बढ़ती कॉल संख्या सेवा की लोकप्रियता, विश्वसनीयता और राज्य सरकार के प्रयासों को स्पष्ट रूप से दिखाती है।

हरियाणा 112 बना देश का मॉडल: डीजीपी

राज्य के पुलिस महानिदेशक अजय सिंघल ने कहा कि हरियाणा 112 की उल्लेखनीय उपलब्धियाँ राज्य की आपातकालीन सेवाओं के इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ती हैं। उन्होंने बताया कि पिछले चार वर्षों में 112 ने 2.75 करोड़ से अधिक कॉलों को संभालते हुए जनता का विश्वास जीता है और औसत रेस्पॉन्स टाइम को 16 मिनट 14 सेकंड से घटाकर 9 मिनट 33 सेकंड तक लाना पुलिस, स्वास्थ्य और फायर सेवाओं के बेहतर समन्वय का सशक्त प्रमाण है। उन्होंने कहा कि 92.60 प्रतिशत कॉलर्स का संतुष्ट होना इस सेवा की विश्वसनीयता और टीमवर्क का परिणाम है। डीजीपी ने 2026 के विज़न को साझा करते हुए बताया कि आने वाले वर्ष में हरियाणा 112 को पूरी तरह ऑटो डिस्पैच आधारित, एआई संचालित और रियल-टाइम मॉनिटरिंग से सुसज्जित किया जाएगा, जिसमें निजी एम्बुलेंस और ग्रामीण क्षेत्रों में तेजी से पहुँचने के लिए उन्नत रूटिंग सिस्टम को शामिल किया जाएगा। उन्होंने कहा कि लक्ष्य है कि 2026 के अंत तक रेस्पॉन्स टाइम को और कम करके 'गोल्डन मिनट्स' में मदद पहुंचाई जाए, ताकि हर नागरिक को हर परिस्थिति में सुरक्षित, त्वरित और गुणवत्तापूर्ण सहायता उपलब्ध हो सके।

- 2026 तक हरियाणा 112 को दुनिया का सबसे तेज़ आपातकालीन मॉडल बनाने की दिशा में किये जाएंगे प्रयास - डीजीपी

रेस्पॉन्स टाइम में ऐतिहासिक सुधार, संकट में त्वरित कार्यवाही

हरियाणा 112 की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक रेस्पांस टाइम में दिन प्रतिदिन सुधार है। जुलाई 2021 में जहाँ पुलिस ईआरवी का औसत प्रतिक्रिया समय 16 मिनट 14 सेकंड दर्ज की गई थी, वहीं दिसंबर 2025 में यह घटकर सिर्फ 9 मिनट 33 सेकंड रह गया। यह सुधार पुलिस बल, स्वास्थ्य सेवाओं, फायर ब्रिगेड और प्रशासनिक तंत्र के बीच बेहतर समन्वय, रियल-टाइम मॉनिटरिंग और अत्याधुनिक तकनीक के उपयोग का परिणाम है। रेस्पॉन्स टाइम में आई यह कमी नागरिकों के जीवन की सुरक्षा और आपात स्थितियों में समय पर मदद पहुंचाने के लिए बेहद महत्वपूर्ण मानी जा सकती है। एडीजीपी हरदीप दून का कहना है कि तेजी से प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने के लिए राज्यभर में ईआरवी की तैनाती, जीपीएस ट्रैकिंग और डिस्पैच सिस्टम को निरंतर अपग्रेड किया गया है।

हरियाणा दर्शन यात्रा के अंतर्गत कश्मीरी छात्र प्रतिनिधिमंडल ने टिकरताल का किया भ्रमण व गुरुद्वारा नाडा साहिब में शीश नवाया

हिन्द जनपथ

पंचकूला (ब्यूरो)। हरियाणा सरकार के युवा कल्याण कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित हरियाणा दर्शन यात्रा के तहत आज कश्मीर से आए छात्र प्रतिनिधिमंडल ने टिकरताल का भ्रमण किया तथा ऐतिहासिक नाडा साहिब गुरुद्वारा में शीश नवाया। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं ने इन स्थलों के ऐतिहासिक, आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व की जानकारी प्राप्त की।

इसके पश्चात प्रतिनिधिमंडल ने स्थानीय बाजारों का भी अवलोकन किया, जहां उन्होंने हरियाणा की लोक-संस्कृति, पारंपरिक खान-पान एवं स्थानीय जीवनशैली को नजदीक से समझा और स्थानीय नागरिकों के साथ संवाद स्थापित किया।

युवा कल्याण संयोजक नरेंद्र सिंह ने बताया कि हरियाणा दर्शन यात्रा हरियाणा सरकार के युवा कल्याण कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित की जा रही है। उन्होंने कहा कि इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य राष्ट्रीय एकता और अखंडता को सुदृढ़ करना, आपसी भाईचारे को प्रोत्साहित करना तथा युवाओं के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देना है। यह पहल "एक भारत–श्रेष्ठ भारत" की भावना को मजबूत करने की दिशा में एक सार्थक प्रयास है।

मुख्यमंत्री से भी मिलेगा कश्मीरी प्रतिनिधि मंडल

हरियाणा दर्शन यात्रा के अंतर्गत कश्मीरी छात्र प्रतिनिधिमंडल की हरियाणा के मुख्यमंत्री से शिष्टाचार भेंट एवं संवाद का कार्यक्रम प्रस्तावित है, जिसमें छात्र अपनी यात्रा का अनुभव साझा करेंगे तथा राष्ट्रीय एकता और युवा सहभागिता से जुड़े विषयों पर विचार-विमर्श किया जाएगा।

डा. अम्बेडकर मेधावी छात्र संशोधित योजना 2025-26 के लिए ऑन लाईन आवेदन प्रक्रिया जारी

हिन्द जनपथ

पंचकूला (ब्यूरो)। अनुसूचित जाति, जनजाति पिछड़े वर्ग, विमुक्त जाति, अर्ध घुमन्तु तथा टपरीवास जातियो के साथ-साथ समाज के अन्य वर्गो में छात्रों में प्रतिस्पर्धा व उत्कृष्ठता की भावना को प्रोत्साहित करने के लिए डा. अम्बेडकर मेधावी छात्र संशोधित योजना चलाई जा रही है।

- पात्र विद्यार्थियों को मिलेगा 8000 से 12000 रुपये तक वार्षिक छात्रवृति का लाभ -उपायुक्त
- 31 जनवरी 2026 तक किया जा सकता है ऑन लाईन आवेदन

इस संबंध में जानकारी देते हुए उपायुक्त श्री सतपाल शर्मा ने बताया कि इस योजना के अंतर्गत सभी वर्गों के छात्रो-छात्राओ को मैट्रिक कक्षाओं तथा अनुसूचित वर्ग के छात्र छात्राओ को दसवीं, बाहरवीं तथा स्नातक उपरान्त कक्षावार 8000 से 12000 रुपये तक वार्षिक छात्रवृति दिये जाने का प्रावधान है।

उन्होंने बताया कि यह योजना सभी वर्ग के छात्र-छात्राओ हेतू प्रतिशतता के आधार पर उपलब्ध है। इस योजना के तहत केवल वहीं विद्यार्थी पात्र होंगे जिनकी वार्षिक परिवारिक आय 4 लाख रुपये से अधिक नहीं है ।इस योजना का लाभ लेने के लिए पात्र विद्यार्थी सरल पोर्टल https://saralharyanharyan.gov.in पर ऑन लाईन आवेदन कर सकते है। आवेदन करने की अंतिम तिथि 31 जनवरी 2026 तक है।

पूर्व महापौर कुलभूषण गोयल ने मुख्यमंत्री के ओएसडी भारत भूषण भारती से की मुलाकात

हिन्द जनपथ

पंचकूला (ब्यूरो)। पंचकूला के पूर्व महापौर कुलभूषण गोयल ने सोमवार को हरियाणा के मुख्यमंत्री के ओएसडी भारत भूषण भारती से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान पंचकूला में चल रही विभिन्न विकासात्मक गतिविधियों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। महापौर कुलभूषण गोयल ने भारत भूषण भारती को अपने पांच वर्षीय कार्यकाल पर आधारित पुस्तक भी भेंट की। उन्होंने बताया कि अपने कार्यकाल के दौरान पंचकूला में लगभग 400 करोड़ रुपये के विकास कार्य करवाए गए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि विकास कार्यों में किसी प्रकार का भेदभाव नहीं किया गया और पक्ष व विपक्ष दोनों के पार्षदों के वार्डों में समान रूप से करोड़ों रुपये के विकास कार्य संपन्न कराए गए। मुख्यमंत्री के ओएसडी भारत भूषण भारती ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार सदैव जनकल्याणकारी और हितैषी योजनाओं में विश्वास रखती है। उन्होंने कहा कि "सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास" के मंत्र के तहत सरकार निरंतर कार्य कर रही है और पंचकूला सहित पूरे प्रदेश में विकास की गति किसी भी स्थिति में रुकने नहीं दी जाएगी।

नए संकल्प के साथ शिक्षा उत्थान व महिला सशक्तिकरण पर केंद्रित है सरकार - मुख्यमंत्री

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि मजबूत शिक्षा और महिला सशक्तिकरण के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की विकसित भारत 2047 की अवधारणा के साथ हरियाणा सरकार नए संकल्प के साथ देश की प्रगति में सहभागी बन रही है।

मुख्यमंत्री सोमवार को गुरुग्राम में शिक्षाविद व महिला प्रतिनिधिगण के साथ बजट पूर्व परामर्श बैठक में सीधा संवाद कर रहे थे। बैठक में हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह, शिक्षा मंत्री श्री महिपाल ढांडा, महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती श्रुति चौधरी व गुरुग्राम विधायक श्री मुकेश शर्मा मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने बैठक में भारतीय संस्कृति के अग्रदूत स्वामी विवेकानंद जी की जयंती पर उन्हें नमन किया और उपस्थित प्रतिनिधिगण को लोहड़ी और मकर संक्रांति पर्व की भी शुभकामनाएं दी।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि आज ज्ञान की शक्ति के साथ मातृ शक्ति के समागम में आगामी बजट में विशेष पहलुओं के साथ समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि शिक्षा समाज की आत्मा है और आने वाली पीढ़ियों के चरित्र, कौशल, आत्मविश्वास और राष्ट्र निर्माण की चेतना में शिक्षा सुधार करते हुए विकसित भारत 2047 का शास्वत रूप दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने बताया कि विगत वित्त बजट में हरियाणा सरकार ने शिक्षा जगत के लिए बजट पूर्व परामर्श में आए 63 महत्वपूर्ण सुझावों को शामिल करते हुए 21 हजार 893 करोड़ रुपये का बजट प्रावधान किया। उन्होंने कहा कि उस दौरान मिले सुझावों में हरियाणा सरकार ने आधुनिक मॉडल संस्कृति स्कूलों की संकल्पना, दो पारी में स्कूलों का संचालन, स्टैम लैब्स की स्थापना, छात्रों को इसरो, डी.आर.डी.ओ. जैसे राष्ट्रीय संस्थानों से जोड़ा गया। इसके अलावा, बुनियादी शिक्षा को मजबूत करने के कार्यक्रम, हरियाणा राज्य अनुसंधान कोष, कल्पना चावला छात्रवृत्ति योजना और उद्योग एवं अकादमिक साझेदारी जैसी पहल भी इसी सहभागिता का परिणाम है।

श्री नायब सिंह सैनी ने बताया कि उच्चतर शिक्षा की आत्मा अनुसंधान एवं शोध कार्य में बसती है। इसलिए प्रदेश सरकार ने चालू वित्त वर्ष में हरियाणा में 20 करोड़ रुपये का हरियाणा राज्य अनुसंधान कोष बनाया है।